TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | यमुना में डूबे नाव संचालक का चौथे दिन मिला शव... (पेज-3) | पृष्ठ- 6 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 14.11.2026

गृह मंत्री का पुणे दौराः पूर्व डिप्टी सीएम अजीत पवार को देंगे श्रद्धांजलि, प्रतिमा का भी करेंगे अनावरण

एजेंसी, पुणे।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह 15 नवंबर से पुणे के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नेशनल हैवी इंजीनियरिंग कोऑपरेटिव (एनएचईसी) की पुनरुद्धार पहल का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, वे दिवंगत अजीत पवार की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। यह दौरा सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एनएचईसी के पुनरुद्धार परियोजना का शिलान्यास 15 नवंबर को होगा। यह कई वर्षों की निष्क्रियता के बाद संस्था को फिर से शुरू करने की दिशा में एक अहम कदम है।

एनएचईसी एक सहकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1974 में तलेगांव में हुई थी। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि यह पहल शाह और केंद्र के विशेष प्रयासों का परिणाम है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप है। इस पहल का मुख्य लक्ष्य देश के सहकारी क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना है। एनएचईसी से चीनी और डेयरी उद्योगों के लिए आधुनिक मशीनरी बनाने की उम्मीद है। इसके पुनरुद्धार से मावल और पुणे जिले में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देगा और मशीनरी निर्यात के अवसर भी बनाएगा।

पुनरुद्धार पहल का महत्व

यह पुनरुद्धार पहल नेशनल हैवी इंजीनियरिंग कोऑपरेटिव को फिर से सक्रिय करने पर केंद्रित है। संस्था कई वर्षों से निष्क्रिय थी, जिससे क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता प्रभावित हो रही थी। शाह और केंद्र सरकार ने इस परियोजना को विशेष प्राथमिकता दी है। इसका उद्देश्य सहकारी क्षेत्र को मजबूत करना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह पहल 'सहकार से समृद्धि' के व्यापक लक्ष्य का हिस्सा है। इसके माध्यम से सहकारी संस्थाओं को नई ऊर्जा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।

अजीत पवार की प्रतिमा का अनावरण

अमित शाह 16 नवंबर को जिला परिषद परिसर में अजीत पवार की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। अजीत पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक प्रमुख नेता थे। वे महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री भी रह चुके थे। उनका निधन इस साल 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में हुआ था। यह अनावरण उनके सार्वजनिक जीवन और योगदान को याद करने के लिए किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने किया फोन टैपिंग का दावा

कहा- मेरे सभी आरोपों के सबूत मोबाइल में; पीएम मोदी पर लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा आरोप लगाते हुए फोन टैपिंग का दावा किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर कहा कि पीएम मोदी मेरा फोन टैप करा रहे हैं। इस आरोप के साथ ही उन्होंने एक बार फिर से प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती दी है।

भारतीय युवा कांग्रेस के एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में राहुल गांधी कहते नजर आते हैं, "इसका सबूत यहां है। मेरे इस फोन में है। प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी है, क्योंकि वह मेरा फोन टैप करवाते हैं। जिस दिन वह आमने-सामने की बहस के लिए आएंगे, उस दिन सभी को पता चल जाएगा कि विदेशी ताकतों के नियंत्रण में कौन है, देशविरोधी कौन है और वह कब से देशविरोधी गतिविधियों में



शामिल है।"

सलमान खुर्शीद ने क्या कहा?

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित निगरानी पर गहरा खेद जताया। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी इस तरह के मुद्दे उठाते हैं, तो वे बहुत सोच-समझकर और जानकारी के साथ बात करते हैं।

हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'भारत समिट' के दौरान समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में, खुर्शीद ने फोन टैपिंग को लेकर राहुल गांधी के हालिया आरोपों का समर्थन किया। इन आरोपों के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता (प्राइवेसी) के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ताधारी भाजपा के बीच एक नया राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है। हालांकि खुर्शीद ने राहुल गांधी द्वारा किए गए खुलासों के अलावा कोई और विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने इस कथित जासूसी को एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर हमला करार दिया।

पेगासस विवाद में पहले भी लगा चुके हैं फोन टैपिंग का आरोप

पेगासस जासूसी विवाद जुलाई 2021 में अंतरराष्ट्रीय मीडिया की एक संयुक्त जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद चर्चा में आया था। इसमें दावा किया गया था कि इस्राइली कंपनी एनएसओ ग्रुप के पेगासस स्पाइवेयर के जरिए भारत समेत कई देशों में पत्रकारों, नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के मोबाइल फोन को निशाना बनाया गया। इस कथित निगरानी के संभावित लक्ष्यों की सूची में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनसे जुड़े कुछ लोगों के फोन नंबर भी शामिल बताए गए थे। हालांकि, किसी फोन नंबर का सूची में होना इस बात का प्रमाण नहीं था कि उस फोन की सफलतापूर्वक जासूसी की गई थी। राहुल गांधी ने भी इस मामले को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए थे। विपक्ष का आरोप था कि पेगासस के जरिए नेताओं और अन्य लोगों की निजी बातचीत तक पहुंचने की कोशिश की गई।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था पेगासस मामला

केंद्र सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों को खारिज किया था। वहीं, यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अक्तूबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आरवी रवींद्रन की निगरानी में एक स्वतंत्र तकनीकी समिति गठित की थी। इसका उद्देश्य पता लगाना था कि भारतीय नागरिकों के फोन में पेगासस का इस्तेमाल हुआ या नहीं और क्या किसी सरकारी एजेंसी ने इस स्पाइवेयर को खरीदा था। अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने समिति की रिपोर्ट पर विचार किया। अदालत ने बताया कि जांच के लिए जमा किए गए 29 मोबाइल फोन में से पांच में कुछ तरह का मैलवेयर मिला था, लेकिन यह पुष्टि नहीं हो सकी कि वह पेगासस ही था। मामले की सुनवाई अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

राहुल ने मोदी को फिर दी बहस की चुनौती, कहा- अदाणी या भागवत बनें जज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमने-सामने की बहस की चुनौती दी। इसके साथ ही दावा किया कि ऐसी बहस के बाद वे प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे। राहुल गांधी ने कहा वे लंबे भाषणों के बजाय आमने-सामने की बहस चाहते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस बहस का फैसला करने के लिए उद्योगपति गौतम अदाणी या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को नियुक्त किया जा सकता है।

इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सेशन के दौरान एक सवाल में किसी ने राहुल से पूछा कि जब भाजपा ने संसद को ही सही मंच बताया था, तो वे सार्वजनिक बहस की मांग क्यों कर रहे हैं? इसपर राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया था। उन्होंने कई ऐसे मुद्दों का जिक्र किया, जिन पर सवाल उठाने से उन्हें रोके जाने का दावा किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, 'आपने मुझे कृषि बिलों, 'वोट चोरी', चीन, (जनरल) नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर बात नहीं करने दी।"

असमः काजीरंगा सड़क हादसे में 26 की मौत, 20 लोग घायल

एजेंसी, काजीरंगा।

असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई है। वहीं पुलिस के मुताबिक, हादसे में 20 लोग घायल हैं। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा समेत कई नेताओं ने दुख जताया है।

कहां और कैसे हुआ हादसा?

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा कोहोरा रेंज में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर हुआ। यह घटना हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन इलाके में हुई। यहां यात्रियों से भरी मिनी बस की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका ने पीटीआई को बताया, हमें शुरूआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बस में कुल



कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। हालांकि, शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक बस में 35 से ज्यादा यात्री सवार थे।

एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल ज्यादातर लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी रेफर किया गया। अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में दो महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई कॉलेज के छात्र थे। हादसे के समय वे अपनी कक्षाएं खत्म करके लौट रहे थे।

राहत और बचाव के लिए मौके पर कौन पहुंचा?

असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वह इसी इलाके के विधायक भी हैं। वह राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे थे।

हादसे की वजह क्या है?

पुलिस अधिकारी ने बताया, बस बहुत तेज रफ्तार से चल रही थी। वह पार्क के पास लगाए गए गति संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रही थी। हमें शक है कि मिनी बस के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बस कंटेनर ट्रक से टकरा गई।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री सरमा ने क्या कहा?

हादसे पर दुख जताते हुए राष्ट्रपति ने कहा, काजीरंगा, असम में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, असम के गोलाघाट जिले में हुए हादसे में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, हर घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सड़क हादसे पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, असम के काजीरंगा में हुए दर्दनाक सड़क हादसे से बेहद दुखी हूं। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। हादसे में हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हादसे में हुई भारी जनहानि से पूरा राज्य स्तब्ध है। दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बिना देरी के बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

घायलों की स्थिति पर अस्पताल ने क्या बताया?

काजीरंगा सड़क हादसे में घायल 20 लोगों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएमसीएच) के आपातकालीन विभाग में लाया गया। इनमें से दो लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल में अभी 18 मरीज भर्ती हैं।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मनब गोहेन ने बताया, अभी 18 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। कुल 20 लोगों को मेडिकल कॉलेज के आपातकालीन विभाग में लाया गया था। इनमें से अब तक दुर्भाग्य से दो लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल सात मरीजों की हालत बेहद गंभीर है। बाकी मरीजों की हालत कमोबेश स्थिर है। हालांकि, उन्हें अभी निगरानी में रखा गया है। उनकी हालत के अनुसार इलाज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरों की एक टीम जोरहाट मेडिकल कॉलेज भेज रही है। यह टीम रात में ही पहुंच जाएगी।

'कनेक्टिविटी से बचेगा समय और पैसा'

पीएम मोदी ने बंगलूरू पिंक लाइन का किया उद्घाटन



एजेंसी, बेंगलुरु।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ सफर किया। साथ में गवर्नर सुधा यादव, सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री के बी गौड़ा भी मौजूद रहे। ट्रेन में चढ़ने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने काउंटर पर यूपीआई का इस्तेमाल करके टिकट भी खरीदा। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि मेट्रो कनेक्टिविटी से पैसा और समय दोनों की बचत होती है।

आम जनता के लिए कब से शुरू होगा?

नम्मा मेट्रो का नया सेक्शन 14 नवंबर को सुबह 6 बजे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने से बंगलूरू का चालू मेट्रो नेटवर्क 103.6 ' का हो जाएगा, जिससे यह दिल्ली के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन जाएगा।

राज्य की क्यों की तारीफ?

उन्होंने आगे कहा, 'बंगलूरू भारत की 'सिलिकॉन वैली' है। देश के आईटी निर्यात में इसका योगदान एक-तिहाई से भी अधिक है। यह शहर भारत में नवाचार और आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन है। इसलिए, बंगलूरू क्षेत्र का तेजी से विकास और आधुनिक सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विस्तार केंद्र सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी सोच के साथ, सरकार 'नम्मा मेट्रो' के विस्तार में सहयोग दे रही है।'

नम्मा मेट्रो को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'नम्मा मेट्रो की सफलता सिर्फ एक परियोजना तक सीमित नहीं है। यह 'ईज ऑफ लिविंग' (जीवन को आसान बनाने) और 'ईज ऑफ ट्रैवल' (यात्रा को आसान बनाने) के प्रति देश के नए दृष्टिकोण को दशार्ती है। साथ ही मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को भी दिखाती है। आज, भारतीय रेलवे औपनिवेशिक युग की पुरानी सोच से आगे बढ़कर एक नई विरासत का निर्माण कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि, 'पिछले 10-12 वर्षों में, भारत का रेल बजट कई गुना बढ़ गया है। कुछ दिन पहले कर्नाटक को अपनी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली। आज इसे एक ऐसी वंदे भारत ट्रेन मिली है जो राज्य को गोवा से जोड़ती है। यह ट्रेन बंगलूरू और कर्नाटक के पूरे तटीय मार्ग के लोगों को यात्रा का एक नया सेमी-हाई-स्पीड अनुभव देगी। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 300 गीगावाट के पार पहुंच गई है। देश अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की संख्या भी बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार की पहलों की बदौलत, नागरिक अब केवल बिजली के उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन रहे हैं।'

मध्यम वर्गीय परिवारों को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, 'बंगलूरू की बड़ी नव-मध्यम वर्गीय आबादी के हित भी केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार मध्यम वर्गीय परिवारों की बचत बढ़ाने और उनके हाथों में अधिक पैसा पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है।'

पीएम मोदी ने क्या कहा?

15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज का दिन बंगलूरू और कर्नाटक की विकास यात्रा को एक नई गति देने वाला है। आज यहां से कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरूआत की जा रही है। मेट्रो और रेलवे से जुड़ी पहलों से लेकर ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित कार्यों तक, ये सभी परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी।' पिछले एक दशक में उठाए गए कदमों ने देश को मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान पैदा हुए संकट से उबरने में मदद की।

सिक्किमः बर्फबारी में फंसे 900 से ज्यादा पर्यटक, तभी देवदूत बनकर पहुंची भारतीय सेना; लोगों का किया रेस्क्यू

एजेंसी, गंगटोक।

सिक्किम में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बीच भारतीय सेना ने एक बार फिर अपनी बहादुरी के साथ इंसानियत की मिसाल पेश की है। पूर्वी सिक्किम के नाथुला, बाबा धाम (शेरेथांग) और छांगू (त्सोमगो) झील के आसपास बर्फबारी के चलते फंसे 900 से ज्यादा स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सेना के जवानों ने सुरक्षित बाहर निकाला। मुश्किल मौसम और जमा देने वाली ठंड के बीच जवानों ने राहत और बचाव अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित जगहों तक पहुंचाया।

भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने सिर्फ लोगों को ही नहीं, बल्कि बर्फ में फंसे 300 से ज्यादा वाहनों को भी सुरक्षित रास्ता पार कराया। इनमें करीब 250 पर्यटकों की गाड़ियां शामिल थीं। भारी बर्फबारी के कारण रास्तों पर आवाजाही मुश्किल हो गई थी। ऐसे हालात में सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला और एक-एक वाहन को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में मदद की।

ठंड से बचाने के लिए दिया गर्म खाना और आश्रय

बचाव अभियान के दौरान सेना ने फंसे हुए लोगों को सिर्फ सुरक्षित निकालने तक ही अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी। जवानों ने जरूरतमंदों को मेडिकल सहायता देने के साथ गर्म खाना और ठहरने की जगह भी उपलब्ध कराई। अचानक बदले मौसम और गिरते तापमान को देखते हुए सेना के कैंपों में अस्थायी इंतजाम किए गए, ताकि लोगों को जमा देने वाली ठंड से बचाया जा सके।

परिसीमन पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी?

प्रियंका गांधी बोलीं- विपक्ष को विश्वास में नहीं ले रही सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की केंद्र सरकार की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को कोई जानकारी नहीं दी गई है।

चार दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचीं प्रियंका

प्रियंका गांधी बुधवार से शुरू हुए अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही थीं। इस दौरान वह पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रही थीं। पत्रकारों ने उनसे पूछा था कि क्या सरकार परिसीमन विधेयक पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना बना रही है।

'सरकार ने हमें कोई जानकारी नहीं दी'



इस सवाल पर प्रियंका गांधी ने कहा, 'उन्होंने हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इसलिए, अगर वे ऐसी कोई योजना बना रहे हैं, तो मुझे नहीं पता। फिलहाल, मेरे पास कोई जानकारी नहीं है।'

असहमति की आवाजों को दबाने का लगाया आरोप

विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा, 'जो कोई भी अपनी बात रखना चाहता है या खुद को व्यक्त करना चाहता है, उसे दबा दिया जाता है और चुप करा दिया जाता है। हमने पिछले कुछ महीनों में ऐसा होते देखा है।'

संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा के लिए लड़ाई का दावा

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम संविधान और उसके मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं। हम इसलिए लड़ रहे हैं क्योंकि हमारे देश की वे सभी संस्थाएं, जो संविधान और उसके मूल्यों को बनाए रखती हैं, उन्हें बीजेपी द्वारा सुनियोजित तरीके से नष्ट किया जा रहा है।'

संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही सरकार

महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। सरकार का दावा है कि बिल को पारित कराने के लिए उसके पास पर्याप्त संख्या बल से डेढ़ दर्जन अधिक सदस्यों का समर्थन है। 91 दिन बाद भी मानसून सत्र के सत्रावसान न होने पर विशेष सत्र को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। सरकार के सूत्र ने कहा कि जरूरी संख्या बल जुटाने के लिए सरकार की ओर से करीब-करीब सभी दलों से संपर्क साधा गया है। सभी दलों से कहा गया कि सरकार का इरादा आनुपातिक रूप से हर राज्य की लोकसभा और विधानसभा की सीटों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी करने का है। इसे विधेयक के मूल मसौदे में भी शामिल किया जाएगा।

महापर्वः 'छठ लोक आस्था की पीएम ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं की हैं। उन्होंने कामना की कि सबको छठी मइया का आशीर्वाद मिले। बता दें कि देशभर में आज से महापर्व छठ शुरू हो रहा है।

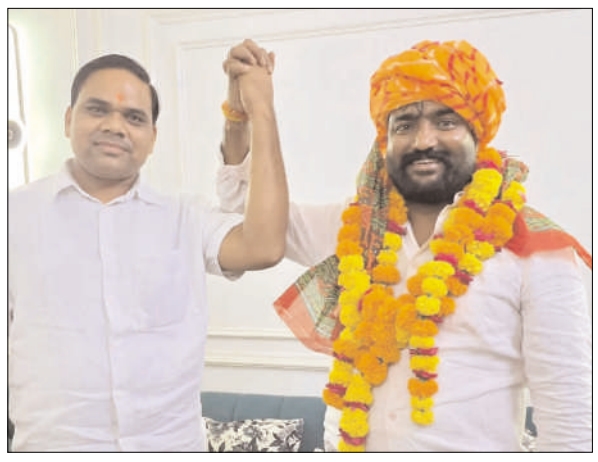
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज नहाय-खाय है। सभी व्रतियों को मेरा नमन। सबको छठी मइया का आशीर्वाद मिले, यही कामना है।

धीरज बघेल को मिली ब्रज क्षेत्र में पिछड़ा मोर्चा में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ब्रज क्षेत्र में संगठनात्मक विस्तार के तहत धीरज बघेल को पिछड़ा मोर्चा में उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति से समर्थकों और कार्यकताओं में खुशी का माहौल है।

धीरज बघेल को यह जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा डॉ सुनील राजपूत ने कहा कि धीरज बघेल को ब्रज में उपाध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी कार्यकताओं उत्साह का माहौल है।वह अपनी संगठनात्मक क्षमता, सक्रियता और अनुभव के बल पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का काम करेंगे।



धीरज बघेल ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा कार्यकताओं के साथ मिलकर पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया।

हर्ष व्यक्त करने वालों में डॉ सुनील राजपूत भूरी सिंह राजपूत,दीपक बघेल, अभिषेक कठेरिया,मानू चौधरी, हरिओम बघेल,पवन चौधरी,गौरव सोलंकी,देवेंद्र वर्मा आदि प्रमुख रहे।

पापरी नागर में सजेगा राष्ट्रीय कुश्ती का महादंगल

देशभर के 300 से अधिक पहलवान दिखाएंगे दमखम

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट ब्लॉक के गांव पापरी नागर गांव में इस बार कुश्ती का ऐसा महासंग्राम सजने जा रहा है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आएंगे। गोपाल गौ सेवा समिति के तत्वावधान में 18 और 19 नवंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। दंगल में देश के विभिन्न राज्यों से 300 से अधिक नामी महिला एवं पुरुष पहलवान अखाड़े में उतरकर अपना दमखम दिखाएंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने बताया इस बार का दंगल पिछले सभी आयोजनों से भव्य होगा। इसके लिए गांव में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अखाड़े की मिट्टी को तैयार किया जा रहा है, दर्शकों के बैठने के लिए



विशेष व्यवस्था की जा रही है। बाहर से आने वाले पहलवानों के ठहरने, भोजन और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था समिति की ओर से की जा रही है।

दिग्गज हस्तियां बढ़ाएंगी शोभा

दंगल के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह होंगे। उनके साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजा अरिदमन सिंह और बाह विधायक रानी पक्षालिका सिंह भी कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहेंगी। इसके अलावा क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और कुश्ती प्रेमी भी दंगल में शिरकत करेंगे।

महिला पहलवान भी दिखाएंगी जोर

इस बार के दंगल की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसमें महिला पहलवानों की भी बड़ी भागीदारी होगी। महिला वर्ग की कुश्तियां दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समिति ने विजेता पहलवानों के लिए लाखों रुपये के इनाम और चांदी के गदा की भी घोषणा की है।

गौ सेवा से जुड़ा है आयोजन

गोपाल गौ सेवा समिति द्वारा आयोजित इस दंगल का उद्देश्य केवल कुश्ती को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि गौ सेवा के प्रति लोगों को जागरूक करना भी है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दंगल से प्राप्त सहयोग राशि को गौशाला के विकास और गौ सेवा के कार्यों में लगाया जाएगा।

गांव के लोगों में दंगल को लेकर खासा उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि इस आयोजन से पापरी नागर का नाम पूरे देश में रोशन होगा।

पिनाहट में ऑनलाइन सट्टे ने युवक की जान पर बना दी आफत

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

कस्बे में ऑनलाइन सट्टे का अवैध कारोबार युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। कस्बा बाजार के एक आभूषण कारीगर ने सट्टे में लाखों की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण गंवा दिए। बकाया रकम के तगादे से परेशान होकर उसने विषाक्त पदार्थ खा लिया। परिजन उसे गंभीर हालत में सीएचसी पिनाहट ले गए, जहां से आगरा रेफर कर दिया गया। लोगों का आरोप है कि सट्टा मोबाइल व व्हाट्सएप ग्रुप से चल रहा है, फिर भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। कस्बे के लोगों ने सट्टा संचालकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी और एनसीडी को लेकर चिकित्सा अधीक्षक ने की बैठक

सैंया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैंया के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अतुल कुमार भारती ने शुक्रवार को सीएचओ, एएनएम, आशा एवं संगिनियों के साथ बैठक की। बैठक में आयुष्मान कार्ड बनाने, आभा आईडी पंजीकरण तथा एनसीडी (गैर संचारी रोग) कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई।

चिकित्सा अधीक्षक ने संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को गांव-गांव में शिविर आयोजित कर पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने, आभा आईडी पंजीकरण करने तथा एनसीडी कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मियों से अभियान को गंभीरता से लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने की अपील की।

बैठक में डॉ. नागेंद्र सिंह, बीपीएम कुलदीप सिंह राणा सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

विशेष गोवंश संरक्षण अभियान में दो दिन में 391 गोवंशों का हुआ संरक्षण

निराश्रित गौवंश के संरक्षण हेतु जनपद में लगातार चलेगा अभियान-सीडीओ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद आगरा में चलाए जा रहे विशेष गोवंश संरक्षण अभियान के तहत निराश्रित गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं और गौ संरक्षण केंद्रों में सुरक्षित पहुंचाने का कार्य तेजी से जारी है, जिसके अंतर्गत अभियान के पहले दिन 143 तथा 13 नवंबर 2026 को अकेले 248 गोवंशों को पकड़कर विभिन्न ब्लॉकों की गौशालाओं में संरक्षित किया गया और इस प्रकार मात्र दो दिनों में कुल 391 निराश्रित गोवंशों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया जा चुका है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सभी विकास खंडों में गठित टीमों ने सक्रियता से अभियान चलाते हुए 13 नवंबर को खंदौली में 17, एत्मादपुर में 12,



अछनेरा में 20, फतेहपुर सीकरी में 16, सैंया में 14, खेरागढ़ में 20, जगनेर में 21, शमशाबाद में 33, फतेहाबाद में 8, पिनाहट में 10, बाह में 22, जैतपुरकलां में 20, अकोला में 22, बिचपुरी में 5 और बरौली अहीर विकास खंड में 8 गोवंशों सहित कुल 248 मवेशियों को सुरक्षित आश्रय दिलाया, और इन दो दिनों के कुल आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक शमशाबाद विकास खंड में 62, जैतपुरकलां में 40 तथा बाह में 36 गोवंशों का संरक्षण किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार ने स्पष्ट किया है कि जनपद में सड़कों और चौराहों पर विचरण करने वाले निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने और आम नागरिकों को आवागमन में पूर्ण सुविधा व सुगमता सुनिश्चित करने के लिए यह महत्वपूर्ण अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

तीन बच्चियों की हत्या की सूचना से मचा हड़कंप, जांच में फर्जी निकली सूचना

फतेहाबाद। थाना डौकी क्षेत्र के गांव पावसर में तीन बच्चियों की हत्या की सूचना से शुक्रवार को पुलिस महकमे में खलबली मच गई। सूचना पर गांव पहुंची पुलिस ने जांच की तो मामला पूरी तरह फर्जी निकला। पुलिस को मौके पर दो बच्चियां जीवित और स्वस्थ मिलीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पावसर निवासी रूपेश पुत्र स्व सुजान सिंह काफी समय से बीमार चल रहे थे। उनका उपचार थाना एकता क्षेत्र स्थित जीआर अस्पताल में चल रहा था। शुक्रवार को उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। बताया गया कि रूपेश के छोटे भाई राहुल को भाई की मौत से मानसिक आघात पहुंचा। इसके चलते उसने डायल 112 पर फोन कर तीन बच्चियों की हत्या किए जाने की झूठी सूचना दे दी। सूचना पर थाना डौकी पुलिस गांव पहुंची और जांच की। रूपेश के घर पहुंचने पर पता चला कि उनकी दो पुत्रियां हैं। इनमें बड़ी पुत्री मनू उम्र 3 वर्ष और छोटी पुत्री कनिष्का डेढ़ वर्ष हैं। दोनों बच्चियां घर पर जीवित और स्वस्थ मिलीं। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि राहुल मानसिक रूप से परेशान रहता है। पुलिस जांच में तीन बच्चियों की हत्या की सूचना पूर्णतः झूठी निकली।

ईजी क्विज प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने लिया भाग, टॉप-10 का जिले के लिए चयन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

तहसील फतेहाबाद के सभागार कक्ष में शुक्रवार को ईजी क्विज प्रतियोगिता के तहत निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नायब तहसीलदार विशेष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित प्रतियोगिता में दो महाविद्यालयों के कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप-10 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया।प्रतियोगिता में राजकीय



स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहाबाद और बीडीएम महाविद्यालय फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। चयनित विद्यार्थियों में जयवीर सिंह, हर्षिता, आशिक खान, संध्या, शिवा, सुफरिया खान, आशिक,दामिनी दौलतराम,तनीषा सहित कुल 10 विद्यार्थी शामिल हैं। ये विद्यार्थी अब जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान देवक श्रीवास्तव सहित दोनों महाविद्यालयों के शिक्षक मौजूद रहे।

एक्सप्रेसवे पर बाइक अनियंत्रित होकर गिरी,चार घायल

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बाइक अनियंत्रित होकर गिरी हादसे में चार घायल सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार लिए अस्पताल भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को शैलेंद्र पुत्र रेशम सिंह निवासी पिपरानी थाना नसीरपुर फिरोजाबाद अपने घर से बाइक लेकर बेटा प्रिंस, पुत्री अंजली और बहन पुष्पा देवी के साथ महुआखेड़ा जा रहा था। जैसे ही शुक्रवार दोपहर को थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 24 पर पहुंचे तो बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और हादसे से में चारों लोग घायल हो गए सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि बाइक पर ज्यादा वजन होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई थी। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

17 नवंबर को रायभा के श्री सिद्धिविनायक महाविद्यालय में लगेगा वृहद रोजगार मेला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, आगरा तथा श्री सिद्धिविनायक एजूकेशनल महाविद्यालय (बिचपुरी-अछनेरा रोड, रायभा, आगरा) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 नवंबर 2026 को एक दिवसीय वृहद एवं निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। सहायक निदेशक (सेवायोजन) चंद्रचूड़ दुबे ने जानकारी दी है कि यह मेला महाविद्यालय परिसर में प्रातः 10:00 बजे से आरंभ होगा।

एक दर्जन से अधिक कंपनियां लेंगी हिस्साः

इस रोजगार मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक प्रतिष्ठित नियोजक (कंपनियां) हिस्सा ले रहे हैं, जो साक्षात्कार और परीक्षा के माध्यम से 1000 से अधिक तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर युवाओं का चयन करेंगे। चयनित अभ्यर्थियों के लिए कार्यक्षेत्र आगरा के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और संपूर्ण दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र होगा।

- 1000 से अधिक पदों पर होगी सीधी भर्ती
- क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेला

कौन कर सकता है आवेदन व प्रतिभागः

मेले में भाग लेने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, तथा बी-फार्मा/डी-फार्मा निर्धारित की गई है। इसमें 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला दोनों ही अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

इन पदों पर होगी भर्तियांः

विभिन्न कंपनियों द्वारा ऑपरेटर, असिस्टेंट, बैंक ऑफिसर, लोन सेल्स ऑफिसर, सीसीए/आरसीए एजेंट, कस्टमर सर्विस एसोसिएट, ग्राउंड फ्लोर कोऑर्डिनेटर, डीईटी, सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर, एमआर (मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव) और हेल्पर आदि पदों के लिए योग्य युवाओं की भर्ती की जाएगी।

ऑनलाइन पोर्टल और अन्य जरूरी निदेर्शः

सहायक निदेशक ने बताया कि इस रोजगार मेले में भाग लेने वाले नियोजकों, रिक्तियों और योग्यता से जुड़ी विस्तृत जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार के रोजगार संगम पोर्टल (http://rojgaarsangam.up.gov.in) पर भी उपलब्ध है। यह रोजगार मेला पूरी तरह से निःशुल्क है, हालांकि मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय (यात्रा भत्ता) देय नहीं होगा। जिले के बेरोजगार युवाओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं।



चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित एक आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद पुलिस ने गुरुवार रात चेकिंग के दौरान चोरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के गांव पारौली सिकरवार निवासी निहाल सिंह पुत्र लटूरी सिंह ने थाने में गुरुवार को तहरीर देकर पुलिस को बताया कि बुधवार की शाम चार बजे के करीब अज्ञात चोर ट्रैक्टर-ट्रॉली को चुरा ले थे। वहीं पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों को लगाया गया था। वहीं पुलिस गुरुवार की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर नन्दू उर्फ नरेंद्र पुत्र नाथू निवासी डॉक्टरपुरा थाना निबोहरा को निबोहरा अंडरपास से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे चोरी का ट्रैक्टर-ट्राली व 270 रुपये बरामद हुए। वहीं पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

चौथे चरण के पंचायत चुनाव की तैयारियां पूरी, मतदान दल रवाना

1700 पुलिस जवानों के हवाले रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

टीएनएफ टुडे, धौलपुर।

धौलपुर जिले में पंचायती राज संस्थाओं के चौथे चरण के मतदान को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुक्रवार को राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बाड़ी रोड से मतदान दलों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया।

चौथे चरण में शनिवार को राजाखेड़ा, बसेड़ी और सरमथुरा पंचायत समितियों में मतदान कराया जाएगा। इस दौरान जिला परिषद के 12 वार्डों और पंचायत समिति के 59 वार्डों के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक



व्यवस्थाएं की हैं।

वहीं, चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया है। करीब 1700 पुलिस जवानों को सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया जाएगा। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ विशेष निगरानी रखी जाएगी।

मतदान दलों की रवानगी के साथ ही चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए शांतिपूर्ण मतदान कराने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा तंत्र को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

एक माह के मासूम को छीनकर ससुरालियों ने बहू को घर से निकाला

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट एक माह के मासूम बच्चे की मां को ससुरालियों ने बुरी तरह मारपीट कर घर से निकाल दिया। जिसमे महिला की मां द्वारा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना बसई अरेला के गांव पुरा जवाहर सुताहरी की रहने वाली लता देवी? ने शुक्रवार को थाना पिनाहट में तहरीर दी। कि उसकी पुत्री काजल की शादी थाना पिनाहट के गांव क्योरी निवासी सूरज के साथ हुई थी। काजल पर एक माह का बच्चा है। गुरुवार को सांस और पति ने गाली गलौज और बुरी तरह मारपीट करते हुए बच्चे को छीनकर घर से निकाल दिया है। महिला ने दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामलेकी जांच कर रही है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग,किसान को भारी नुकसान

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

पिनाहट के गांव गढ़ का पूरा में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। जिससे छत पर रखी किसान की 200करव की पूरी जलकर राख हो गई

जानकारी के अनुसार गांव गढ़कापुरा निवासी गजराज के घर की छत पर रखी करीब 200 करब की पूरियां आग की चपेट में आ गईं और देखते ही देखते जलकर राख हो गईं।

आग लगने से पूरे गांव में शोर मच गया। वही आग लगने की सूचना पर ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने की कोशिश की। और काफी देर बाद आग पर काबू पा लिया



वही ग्रामीणों की सूचना पर करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, सूचना पर पुलिस भी पहुंची। वही ग्रामीणों ने बताया कि सूचना पर फायर ब्रिगेड काफी देर बाद पहुंची जब तक आग बुझ चुकी थी वही करव गठर जलकर राख हो गए गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित किसान का पशुओं के चारे का पूरा स्टॉक खत्म हो गया, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

बीच रास्ते पर्स और आभूषण छीनने का आरोप

पिनाहट। अपनी नानी के साथ रिश्तेदारी में जा रही महिला ने बाइक सवार आरोपितों पर बीच रास्ते पर्स और सोनू के आभूषण छीनकर ले जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

तेजसिंह का पुरा राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान की रहनी वाली सर्वेश देवी ने शुक्रवार को थाना पिनाहट में तहरीर दी। कि गुरुवार दोपहर करीब दो बजे अपनी नानी केतकी देवी के साथ फतेहाबाद के गांव बन्ना से पिनाहट की ओर आ रही थी। तभी अरनोटा के नजदीक दो नामजद लोग बाइक पर सवार होकर आए। और मेरे हाथ से जबरन मेरा पर्स छीन कर भाग गये। जिसमें पांच हजार रुपए और एक मंगलसूत्र और एक सोने की अंगूठी रखी थी। जिनको आरोपित छीन ले गये है।?वही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के तहत जनपद स्तर पर स्थानीय समिति का होगा पुनर्गठन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 की धारा-7 की उपधारा (1) के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्थानीय समिति का पुनर्गठन किया जाना है, जिसके तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल सोनी ने पात्र एवं इच्छुक महिलाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इस स्थानीय परिवाद समिति में सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्रख्यात और महिलाओं की समस्याओं के प्रति प्रतिबद्ध महिला को अध्यक्ष नामित किया जाएगा, जबकि दो सदस्यों में से कम से कम एक महिला ऐसी होगी जो महिला समस्याओं से जुड़े गैर-सरकारी संगठनों से हो या लैंगिक उत्पीड़न के मुद्दों से भली-भांति परिचित हो, और कम से कम एक सदस्य के पास विधिक पृष्ठभूमि या विधि का ज्ञान होना अनिवार्य है। इसके अलावा एक सदस्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों या अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय की महिला होगी। समिति के सभी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि अध्यक्ष एवं सदस्य पदों के लिए योग्य और प्रतिबद्ध महिलाएं आगामी 10 दिवस के भीतर अपना प्रस्ताव कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, विकास भवन, संजय प्लेस, आगरा में उपलब्ध करा सकती हैं।

- सामाजिक कार्य, विधिक ज्ञान और महिला मुद्दों में अनुभवी महिलाओं के लिए आवेदन का अवसर
- इच्छुक और प्रतिबद्ध महिलाएं आगामी 10 दिनों के भीतर विकास भवन स्थित जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय में अपने प्रस्ताव कर सकती हैं प्रस्तुत

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

16 नवंबर से होगी स्वगणना और 1 दिसंबर से शुरू होगी घर-घर गणना

- 40 अधिसूचित प्रश्नों के माध्यम से संकलित किया जाएगा विवरण



टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत सरकार द्वारा जनगणना अधिनियम, 1948 तथा जनगणना नियमावली, 1990 के अंतर्गत संपादित की जा रही जनगणना-2027 के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) की तैयारियों को लेकर विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार की अध्यक्षता और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा की उपस्थिति में हुई इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारीगण ने हिस्सा लिया। बैठक में बताया गया कि द्वितीय चरण के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित 40 अधिसूचित प्रश्नों के माध्यम से संपूर्ण विवरण संकलित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए निर्धारित विस्तृत कार्यक्रम के तहत स्वगणना की अवधि 16 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक निर्धारित की गई है, जबकि घर-घर जाकर गणना का कार्य 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त बेघर जनसंख्या की गणना 04 जनवरी 2027 की रात्रि में संपन्न होगी, जिसके लिए संदर्भ समय 05 जनवरी 2027 के 00.00 बजे तय किया गया है तथा इसके पश्चात 05 जनवरी से 09 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलाया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी और जनपद के समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाए और लगातार प्रगति से अवगत कराया जाए। साथ ही, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तथा सहायक अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी को इस संपूर्ण कार्य का प्रभावी अनुश्रवण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पैसा भेज रही सरकार, फिर क्यों नहीं हो रहा तालाबों का जीर्णोद्धार?

टीएनएफ टुडे, आगरा।



उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राजा अरिदमन सिंह ने भदावर हाउस से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर गंभीर सवाल उठाया है कि जब केंद्र और प्रदेश सरकार तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए लगातार बजट भेज रही है, तो फिर आगरा जनपद में तालाबों को नया जीवन क्यों नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि इस जल संकट के समाधान के लिए वे वर्ष 2019 से लगातार अधिकारियों को पत्र लिखकर और व्यक्तिगत रूप से मिलकर अनवरत प्रयास कर रहे हैं। आगरा जनपद में कुल 2,825 ऐसे तालाब हैं जिन पर कोई कब्जा नहीं है, जिनमें बाह तहसील में 813, फतेहाबाद में 647, सदर में 197, खेरागढ़ में 677 और एत्मादपुर तहसील में 491 कब्जा मुक्त तालाब, तलैये व पोखर शामिल हैं, जिन्हें नया जीवन प्रदान किया जाना आवश्यक है। पूर्व मंत्री का कहना है कि यदि इन सभी तालाबों का जीर्णोद्धार हो जाए, तो हैंडपंप और समर्सिबल पंप सुचारू रूप से चलने लगेंगे, चल रहे ट्यूबवेलों को प्रचुर पानी मिलेगा, भूगर्भ जलस्तर ऊपर उठेगा, खेतों को सिंचाई के लिए जल प्राप्त होगा और लाखों लोगों को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि 13वें, 14वें और 15वें वित्त आयोग तथा मनरेगा के तहत पर्याप्त बजट आने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इन परियोजनाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है और अधिकारियों की उदासीनता के कारण जलस्तर लगातार गिर रहा है। अपने द्वारा किए गए मौके के मुआयना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जैतपुर ब्लॉक के नौगांव, बाह के रास्ते में खेड़ा देवीदास से पहले और बाह-केंजरा रोड स्थित डेरक गांव के पास के तालाबों में अधिकारियों ने मिट्टी निकालकर तालाब के ठीक बगल में ही ढेर के रूप में डाल दी है, जो वर्षा जल को बांध बनकर रोक रही है और अच्छी बरसात होने के बावजूद तालाबों में पानी संचित नहीं हो पा रहा है। इस मुख्य समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सुझाव दिया है कि तालाबों के किनारों से इस मिट्टी को हटाकर ढाल को सही तरीके से बनाया जाए ताकि वर्षा जल आसानी से बहकर अंदर पहुंच सके, साथ ही तालाबों के किनारे आम, जामुन, गूलर और महुआ जैसी स्थानीय प्रजातियों के छायादार वृक्ष लगाए जाएं और स्थानीय इंजीनियरों की मदद से खुदाई का कार्य कराया जाए।

अपने पुराने प्रयासों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि बाह तहसील में उनके पिता स्वर्गीय राजा रिपुदमन सिंह ने वर्ष 1979 में चंबल लिफ्ट सिंचाई परियोजना की शुरूआत की थी, जिसे वर्ष 1997 में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने तत्कालीन सिंचाई मंत्री से अनुरोध कर मात्र 18 माह में 100 करोड़ रुपये के बजट से पूर्ण कराया था, जिससे उस क्षेत्र में भूगर्भ जलस्तर में काफी सुधार हुआ था। वर्तमान में भूगर्भ जल का निकास अधिक और संचय कम होने के कारण स्तर लगातार गिर रहा है, जिसे केवल तालाबों के जीर्णोद्धार से ही सुधारा जा सकता है। अंत में राजा अरिदमन सिंह ने मीडिया के माध्यम से जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से पुरजोर मांग की है कि एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित कर इन सभी कब्जा मुक्त तालाबों का भौतिक निरीक्षण करवाया जाए तथा यह जांच की जाए कि 13वें, 14वें, 15वें वित्त आयोग, मनरेगा और अमृत सरोवर जैसी योजनाओं के तहत आए बजट से वास्तव में कितने तालाबों की खुदाई हुई है और क्या यह कार्य तय मानकों के अनुरूप है या नहीं। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट मंगवाकर लापरवाही बरतने वाले निचले स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

वित्त मन्त्री से मुलाकात कर जीएसटी की विसंगतियों को दूर करने की मांग की



टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय वित्त एवं संसदीय कार्य मन्त्री सुरेश खन्ना से लखनऊ सचिवालय में भाजपा खेरागढ मण्डल के महामन्त्री राहुल गोयल एडवोकेट ने मुलाकात की । मुलाकात के दौरान राहुल गोयल ने व्यापारी वर्ग की समस्याओं, जीएसटी की विसंगतियों को दूर करने के लिए वित्त मन्त्री से मांग की । राहुल गोयल ने बताया कि मुलाकात के दौरान माननीय वित्त मन्त्री जी से अगली जीएसटी काउंसिल की बैठक एवं भाजपा के घोषणा पत्र में ईमानदार व्यापारी जो समय पर पूरी ईमानदारी के साथ सरकार को राजस्व देते हैं उन्हें भी उनके व्यापारिक आंकडों व कर की सीमा के अनुरुप 62 वर्ष की अवस्था के बाद राज्य सरकार द्वारा एक निश्चित राशि बतौर पेंशन दी जाये, व्यापारी वर्ग हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहता है और सरकार के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में अपना योगदान देता है । साथ ही उन्होंने गंभीर बीमारियों के लिए व्यापारी वर्ग को निःशुल्क चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने की मांग की । माननीय वित्त मन्त्री जी सभी पहलूओं को सकारात्मक लेते हुये निकट भविष्य में इस दिशा में हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

एम.डी. जैन इंटर कॉलेज में आयोजित हुई जिला स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी

असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों और विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए सृजनात्मक विचार

- जैविक सब्जियों से लेकर स्मार्ट कृषि उपकरणों तक के दिखे मॉडल
- यशपाल व गोपाल कुशवाह को मिला प्रथम पुरस्कार; जिला विद्यालय निरीक्षक और वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों की प्रतिभा को सराहा

टीएनएफ टुडे, आगरा।



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, आगरा के तत्वावधान में एम.डी. जैन इंटर कॉलेज, हरी पर्वत, आगरा में असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों की जिला स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों और असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों ने अपने अनूठे मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक बालिका विश्व प्रताप सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. संजय गर्ग, नासा के वैज्ञानिक डॉ. आनंद राय और राजकीय इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य रामनाथ गौतम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रदर्शनी के दौरान प्रतिभागियों ने जैविक सब्जियों, सिलाई, मिट्टी से मूर्ति निर्माण, मेहंदी कला, पेंटिंग, प्राचीन सिक्कों का संग्रह, होम डेकोर आइटम्स और स्मार्ट ब्लैंड फूड आइटम्स जैसे विभिन्न नवाचार प्रस्तुत कर निर्णायक मंडल के समक्ष अपने सृजनात्मक विचारों का अद्भुत प्रदर्शन किया। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डॉ. निखिल जैन ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान किए गए, जबकि विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. संजय गर्ग ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को उभारने और उन्हें व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए सक्षम बनाने का एक महत्वपूर्ण मंच हैं। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. राजेश पाराशर, प्रोफेसर हरेंद्र नाथ शर्मा और रामनाथ गौतम ने निभाई। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिसमें स्मार्ट आईवी सिस्टम व खेतों में छिड़काव करने वाला यंत्र बनाने वाले यशपाल व गोपाल कुशवाह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 8000 रुपये का चेक प्राप्त किया, स्मार्ट ब्लैंड फूड प्रोडक्ट्स प्रस्तुत करने वाली रीना गोयल व पिंकी जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 5000 रुपये का चेक जीता, तथा मेहंदी के जरिए नवाचार दिखाने वाली खुशबू व चंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 3000 रुपये का चेक प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त मोहिनी, कुलदीप सिंह वर्मा, रिचा बंसल, ओमवीर सिंह कुशवाहा और अर्चना जैन को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और 2000-2000 रुपये की धनराशि का चेक प्रदान किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि नवाचार केवल विचारों तक सीमित न रहकर समाज और जनकल्याण के उपयोग में आना चाहिए। डॉ. रीनेश मित्तल के संचालन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया, जिसमें सुनीता दिवाकर, अर्चना यादव, शशि वर्मा, सबा और एस.के. जैन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले भाइयों के परिजनों से मिले केंद्रीय राज्य मंत्री



- दी सांत्वना, हरसंभव मदद का दिलाया भरोसा
- मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मुआवजा दिलाने के दिए निर्देश

आगरा। भैया दूज (11 नवंबर 2026) के पावन पर्व पर बहन से टीका कराने जाते समय सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चार भाइयों के शोकसंतप्त परिजनों से मिलने शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल कंचन विहार, राहुल नगर, बोदला स्थित उनके आवास पर पहुंचे। मंत्री ने परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

दर्दनाक हादसे में हुई थी चार भाइयों की मौतः

कंचन विहार, बोदला निवासी तीन सगे भाई मोहित चौहान, गोविंद चौहान और हरिओम चौहान अपने मौसेरे भाई विकास चौहान के साथ नई अर्टिगा कार से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के रास्ते इटावा अपनी बहन के यहाँ टीका कराने जा रहे थे। इटावा के थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेस-वे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रोला ने उनकी कार को रौंद दिया, जिससे तीनों सगे भाइयों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मौसेरे भाई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है, और आर्थिक तंगी का संकट भी खड़ा हो गया है क्योंकि मृतकों के पिता पैरालिसिस (लकवा) की बीमारी से ग्रसित हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों को दिए सख्त निदेर्शः

परिजनों की पीड़ा साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने तुरंत मौके से ही थाना प्रभारी चौबिया (इटावा) से फोन पर बातचीत कर घटना की जानकारी ली और तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर तेजी से चार्जशीट दाखिल करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने जिलाधिकारी आगरा से वार्ता कर मृतक आश्रितों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से शीघ्र आर्थिक सहायता एवं मुआवजा दिलाए जाने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी व्यक्तिगत रूप से चर्चा करेंगे।

द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) के तहत 16 से 30 नवंबर 2026 तक होगी स्व-गणना

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना (ढए) की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जिसके तहत नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार नागरिक ऑनलाइन माध्यम से खुद अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकेंगे। स्व-गणना की ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट रीू्ल्ल२४२ॅ.ङ्म५ल्ल पर जाकर अपने राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश का चयन करना होगा और अपनी पसंद की भाषा चुनकर पुष्टि करनी होगी। इसके बाद पोर्टल पर दिए गए महत्वपूर्ण निदेर्शों को पढ़कर आगे बढ़ना होगा तथा प्रथम चरण के दौरान जनगणना कर्मी को उपलब्ध कराया गया अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। कैप्चा कोड भरकर मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी से सत्यापन पूरा करने के बाद लोकेशन का मिलान करना होगा। यदि लोकेशन मैच न हो, तो जिला, उपजिला एवं गांव या शहर का चयन कर डिजिटल मानचित्र पर अपने घर की सही लोकेशन दर्ज कर उसकी पुष्टि करनी होगी। इसके पश्चात परिवार के मुखिया से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां भरकर सेव करनी होंगी और परिवार के अन्य सदस्यों को एक-एक करके जोड़ते हुए उनकी जरूरी छह जानकारियां दर्ज करनी होंगी। सभी सदस्यों का विवरण दर्ज करने के बाद पोर्टल पर मांगी गई अन्य शेष जानकारियां भरनी होंगी और सभी जानकारियों की भली-भांति जांच करने के बाद फॉर्म को सबमिट करना होगा। फॉर्म सबमिट होने के बाद प्राप्त रए क्कको सुरक्षित संभाल कर रखना होगा और जब जनगणना कर्मी घर आएं, तो उन्हें यह रए क्कदिखाकर आवश्यक सत्यापन कराना होगा। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद 01 दिसंबर, 2026 से 04 जनवरी, 2027 तक जनगणना कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा, इसलिए सभी नागरिक जनगणना कर्मियों को सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय कार्य में पूरा सहयोग करें। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए जनगणना हेल्पलाइन नंबर 1855 या चैटबॉट नंबर 18001801855 पर संपर्क किया जा सकता है।

यमुना में डूबे नाव संचालक का चौथे दिन मिला शव, परिवार में मचा कोहराम



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गाँव पारौली सिकरवार में नाव चलाते बीच यमुना नदी में डूबे नाव संचालक का शव चौथे दिन भोलपुरा गाँव के नीचे शुक्रवार को उतराता मिला, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची वहीं परिजन ने शव की पहचान मोनू के रूप में की।उसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना फतेहाबाद क्षेत्र में गांव पारौली सिकरवार निवासी मोनू उम्र 18 पुत्र बटेश्वरी विगत मंगलवार को पारौली घाट से नाव में एक दर्जन सहित महिला, बच्चे, पुरुष, चार-पांच बाइक लेकर यमुना को पार करा रहा था।

इसी दौरान बीच यमुना नदी में मोनू के हाथ से रस्सा छूट गया। और पानी में डूब गया था। और नाव अनियंत्रित होकर दो किलोमीटर तक बह गई थी और नाव किनारे पर रुक गयी।जानकारी पर पहुँचे ग्रामीणों ने नाव में सवार सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। लेकिन मोनू का कोई पता नहीं चल सका था। बुधवार से पीएसी के गोताखोरों की टीम स्टीमर की सहायता से यमुना नदी में तलाश कर रही थी। लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी थी। शुक्रवार सुबह 9:00 बजे के करीब थाना क्षेत्र के गाँव भोलपुरा के नीचे ग्रामीणों ने एक शव को यमुना नदी में उतराता देखा तो पुलिस को सूचना दी। जानकारी पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। वहीं परिजन ने कपड़ों व चेहरा देख शव की पहचान मोनू के रूप में की। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

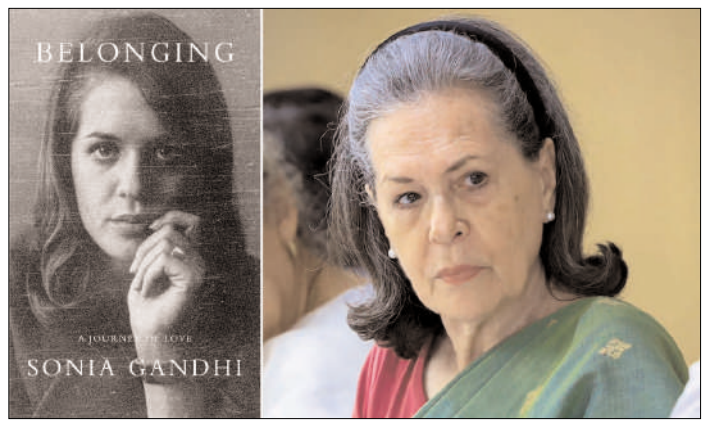
सम्पादकीय

छठ महापर्वः हमारी प्राचीन संस्कृति का वह तेजोमय स्वरूप जो पूरी दुनिया को देता है जीवन का संदेश

उत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना और लोक आस्था के सबसे पवित्र तथा कठिन अनुशासन वाले महापर्व छठ का यह पावन अवसर एक बार फिर हमारी सनातन संस्कृति की उस विराट परंपरा को जीवंत कर रहा है जहाँ उगते हुए के साथ-साथ डूबते हुए सूरज की भी पूजा की जाती है। जब लाखों व्रती महिलाएं और पुरुष कठिन उपवास रखकर नदी और तालाबों के घाटों पर पहुंचते हैं और अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करते हैं, तब यह दृश्य देखकर हर भारतीय का मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। दुनिया भर में जहां आधुनिकता और भौतिकवाद की अंधी दौड़ में लोग प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने में लगे हैं, वहीं हमारा यह लोक पर्व हमें यह सिखाता है कि जल, वायु और सूर्य ही हमारे जीवन के असली देवता हैं जिनके बिना एक पल भी अस्तित्व संभव नहीं है। छठ पूजा की यह सबसे बड़ी खूबी और इसकी असाधारण दिव्यता यही है कि यह किसी बड़े मंदिर या बंद कमरों में नहीं बल्कि खुले आसमान के नीचे प्राकृतिक जलाशयों के तट पर पूरी तरह जाति, वर्ग और ऊंच-नीच के भेदों से परे होकर मनाई जाती है। बांस की टोकरियों में सजे हुए ठेकुए, मौसमी फल और गन्ने के साथ जब पूरा समाज एक ही घाट पर एक रंग में रंगकर खड़ा होता है, तब वह दृश्य सामाजिक समरसता और बंधुत्व की सबसे बड़ी मिसाल बन जाता है। आज के इस प्रदूषण और तनाव से भरे दौर में जब हमारी नदियां और पर्यावरण सिसक रहे हैं, तब छठ पर्व हमें यह गंभीर संदेश देता है कि यदि हमने प्रकृति के इन स्रोतों को स्वच्छ नहीं रखा तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। शासन और प्रशासन की भी यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे छठ घाटों की साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें ताकि व्रतधारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आइए इस महाकुंभ के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम प्रकृति के इस पावन संतुलन को बनाए रखेंगे और अपने जीवन में लोक आस्था के इन महान मूल्यों को हमेशा जीवित रखेंगे।

सोनिया गांधी की आत्मकथाः इतिहास की गवाह, विचारों से बेखबर!

बृज खंडेलवाल



तीन आत्मकथाएँ पढ़िए। महात्मा गांधी की सत्य के प्रयोग, जवाहरलाल नेहरू की मेरी कहानी और सोनिया गांधी की 2026 में प्रकाशित बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव। तीनों किताबें राजनीतिक विरासत से जुड़ी हैं, लेकिन सोच, साहस और बौद्धिक गहराई में जमीन-आसमान का फर्क है।

गांधी ने अपनी कमजोरियां स्वीकार कीं। नेहरू ने अपने विचारों और राजनीतिक फैसलों की पड़ताल की। सोनिया गांधी ने मुख्यतः अपने परिवार, प्रेम और निजी दुखों की कहानी सुनाई। घटनाएं बहुत हैं, लेकिन उनसे निकलने वाली राजनीतिक सीख कहां है? राष्ट्रीय भविष्य का विजन कहां है?

सोनिया गांधी दशकों तक देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हस्तियों में रहीं। कांग्रेस की कमान उनके हाथ में थी। यूपीए सरकार के दौर में भी उनका असर अहम था। ऐसे नेता की आत्मकथा से केवल पारिवारिक यादों की उम्मीद नहीं होती। जनता विचार, विवेक, दूरदृष्टि और जवाबदेही भी चाहती है।

लेकिन किताब में वह कई बार इंदिरा गांधी परिवार के घटनाक्रम की एक खामोश दर्शक नजर आती हैं। घटनाएं सामने आती हैं, रिश्ते बनते-बिगड़ते हैं और त्रासदियां घटती हैं। मगर लेखिका की अपनी स्वतंत्र राजनीतिक राय बहुत कम दिखाई देती है।

गांधी की , सत्य के प्रयोग, एक इंसान की अपनी कमजोरियों से लड़ने की कहानी है। उन्होंने चोरी, मांस खाने, झूठ बोलने और कस्तूरबा के प्रति अपने ईर्ष्यालु व्यवहार तक का जिक्र किया। पिता की मृत्यु के समय उनके पास न होने का पछतावा भी लिखा।

गांधी ने अपनी छवि चमकाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने खुद को गलतियां करने वाला इंसान माना। उनके लिए सच केवल घटनाओं का ब्यौरा नहीं, नैतिक साधना था।

नेहरू ने अपनी आत्मकथा 1934-35 में जेल में लिखी। इसमें निजी जीवन के साथ आजादी की लड़ाई, कांग्रेस, गांधी का नेतृत्व और समाजवाद पर विचार हैं। उन्होंने अपनी सीमाओं, पूर्वाग्रहों और शुरूआती गलत धारणाओं को भी स्वीकार किया।

नेहरू से असहमति हो सकती है, लेकिन उनकी बौद्धिक उपस्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता। वह इतिहास को समझते हैं, सवाल उठाते हैं और भारत के भविष्य पर विचार करते हैं।

यही विचारशील नेता और घटनाओं का ब्यौरा लिखने वाले व्यक्ति के बीच फर्क है।

बिलॉन्गिंग में इटली का बचपन, कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात, इंदिरा परिवार में प्रवेश, इंदिरा और राजीव की हत्याएं तथा निजी जीवन की त्रासदियां हैं। राजनीति से दूरी और फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनने का सफर भी दर्ज है।

निजी अनुभवों में भावनाएं हैं। लेकिन सवाल है कि क्या एक राष्ट्रीय नेता की आत्मकथा का दायरा इतना ही होना चाहिए?

क्या सोनिया गांधी के पास अपनी स्वतंत्र राजनीतिक दृष्टि थी? क्या उन्होंने भारत की समस्याओं पर गंभीर विचार किया? क्या उनके पास देश को बदलने का कोई दीर्घकालीन खाका था?

किताब इन सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं देती। वह बताती है कि क्या हुआ, लेकिन क्यों हुआ और उससे क्या सीख मिली, इस पर ठहरकर विचार नहीं करती।

इमरजेंसी का जिक्र आता है, लेकिन उसका पूरा राजनीतिक और नैतिक हिसाब कहां है? प्रेस पर सेंसरशिप लगी। हजारों लोग जेलों में डाले गए। नागरिक अधिकार कुचले गए और लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुईं।

क्या यह केवल इंदिरा गांधी परिवार का अंदरूनी मामला था? इंदिरा गांधी की जिम्मेदारी और संजय गांधी की भूमिका पर खुलकर चर्चा जरूरी थी। केवल पारिवारिक नजरिए से इस राष्ट्रीय त्रासदी को समझना काफी नहीं।

1984 के सिख विरोधी नरसंहार पर सोनिया गांधी शर्मिंदगी जाहिर करती हैं। लेकिन क्या इतना काफी है? हजारों निर्दोष मारे गए, घर जलाए गए और परिवार उजड़ गए।

हिंसा में भूमिका के आरोप झेलने वाले कांग्रेस नेताओं की जवाबदेही पर खुली चर्चा क्यों नहीं? राजीव गांधी के 'जब बड़ा पेड़ गिरता है...' वाले बयान की नैतिक पड़ताल भी जरूरी थी।

इतिहास को केवल दुख जताकर नहीं समझा जा सकता। सच के लिए जिम्मेदारी तय करनी पड़ती है। पीड़ितों को सहानुभूति के साथ न्याय भी चाहिए।

बोफोर्स विवाद को मीडिया का बनाया मामला बताकर किनारे करना आसान है। लेकिन इस विवाद ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। क्वात्रोची का नाम भी इससे जुड़ा रहा। इन सवालों पर तथ्यपूर्ण चर्चा की उम्मीद थी।

बाबरी मस्जिद के मामले में भी कांग्रेस की रणनीति और उस दौर के राजनीतिक फैसलों की पड़ताल जरूरी थी।

सबसे बड़ी कमी यूपीए सरकार के दस वर्षों को लेकर है। 2004 में सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। इसे त्याग कहा गया। लेकिन प्रधानमंत्री न बनना और सत्ता से दूर रहना दो अलग बातें हैं।

वह कांग्रेस अध्यक्ष थीं और राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष भी। सरकार के बड़े फैसलों पर उनके प्रभाव की चर्चा होती रही।

फिर उस दौर के भ्रष्टाचार के आरोपों, घोटालों, नीतिगत सुस्ती और कांग्रेस की चुनावी हार पर उनकी अपनी राय कहां है?

प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़ने की कहानी सुनाना आसान है। पर्दे के पीछे से सत्ता पर प्रभाव के सवालों का जवाब देना मुश्किल है। देश जानना चाहता है कि फैसले कौन लेता था और जवाबदेही किसकी थी0 कैसे बचें? आर्थिक गैरबराबरी कैसे घटे? कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र कैसे आए? परिवारवाद से पार्टी कैसे बाहर निकले?

सोनिया गांधी के पास अपने लंबे राजनीतिक अनुभव के आधार पर इन सवालों का जवाब देने का अवसर था। लेकिन किताब में कोई व्यापक राष्ट्रीय विजन उभरता नहीं है।

जिस परिवार ने दशकों तक कांग्रेस और देश की राजनीति को प्रभावित किया, उससे परिवारवाद पर आत्ममंथन की उम्मीद स्वाभाविक थी। क्या कांग्रेस का भविष्य गांधी परिवार से बाहर संभव है? क्या नेतृत्व योग्यता के आधार पर तय होना चाहिए? इन सवालों पर भी स्पष्ट राय नहीं मिलती।

यही किताब की सबसे बड़ी बौद्धिक कमजोरी है। निजी दुखों का बयान विस्तार से है, लेकिन सार्वजनिक जिम्मेदारी पर खामोशी है।

महात्मा गांधी की किताब नैतिक आत्ममंथन है। जवाहर लाल नेहरू की किताब विचारों और राष्ट्रीय संघर्ष की यात्रा है। सोनिया की किताब प्रेम, परिवार और निजी त्रासदियों का दस्तावेज है।

बिलॉन्गिंग एक राजनीतिक परिवार की अंदरूनी दुनिया समझने में मदद करती है। लेकिन देश की राजनीति को प्रभावित करने वाली नेता की स्वतंत्र सोच सामने लाने में कमजोर पड़ती है।

आत्मकथा परिवार की प्रतिष्ठा बचाने का दस्तावेज नहीं होती। यह अपने समय, समाज और खुद के प्रति ईमानदारी का इम्तिहान है।

गांधी ने अपनी कमियां सार्वजनिक कीं। नेहरू ने अपने विचारों को सवालों के कटघरे में खड़ा किया। सोनिया गांधी ने इतिहास देखा, लेकिन उससे कोई बड़ी राजनीतिक सीख निकालने की कोशिश कम दिखाई देती है।

आखिर सवाल यही हैः क्या राष्ट्रीय नेता की आत्मकथा में केवल परिवार की यादें काफी हैं? इतिहास का गवाह होना और इतिहास को समझना दो अलग बातें हैं। सोनिया गांधी की किताब में पहली चीज भरपूर है, दूसरी की कमी साफ खलती है।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

माता सीता की परीक्षा लेने के लिए इंद्र ने कागजात और कौवे का रूप धारण किया

रामायण के विभिन्न दुर्लभ और अत्यंत गोपनीय अध्यायों में चित्रकूट प्रवास के दौरान भगवान श्री राम और माता सीता से जुड़ी यह पावन तथा रोमांचक कथा संपूर्ण सृष्टि में देवताओं की भूल और भगवान की महिमा के उस गुप्त सत्य को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब भगवान श्री राम माता सीता और लक्ष्मण के साथ चित्रकूट के शांत और रमणीय वनों में निवास कर रहे थे, तब एक दिन माता सीता जब अकेली बैठी थीं, तब देवराज इंद्र के पुत्र जयंत ने एक कौवे का रूप धारण करके उनके चरणों में चोंच मार दी और खून बहाकर भागने लगा।

माता सीता की चीख सुनकर जब लक्ष्मण जी और भगवान राम वहां पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि माता के पैरों से रक्त बह रहा है और वह कौवे रूपी जयंत तेजी से आसमान की तरफ भाग रहा है।

जयंत को यह घमंड था कि वह स्वर्ग के राजा इंद्र का पुत्र है और अपनी मायावी शक्ति से वह ब्रह्मांड में कहीं भी छिप सकता है, किंतु वह यह भूल गया था कि वह मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के सामने अपराध कर बैठा है। क्रोधित होकर भगवान राम ने तुरंत एक तिनके को उठाया और उस पर महाप्रलयकारी ब्रह्मास्त्र का मंत्र फूंक कर उस कौवे की तरफ छोड़ दिया, जिससे वह तिनका एक अचूक तीर बनकर उस कौवे का पीछा करने लगा।

वह कौवा रूपी जयंत अपनी जान बचाने के लिए तीनों लोकों और सातों समुद्रों में भागा, किंतु ब्रह्मास्त्र रूपी वह तीर हर पल उसका पीछा करता रहा और उसे कहीं भी शरण नहीं मिली।

जब किसी भी देवता और ऋषि-मुनि ने जयंत को शरण नहीं दी, तब नारद जी के कहने पर वह गिरते-पड़ते हुए भगवान राम के चरणों में आ गिरा और रो-रोकर अपने प्राणों की भीख मांगने लगा।

भगवान राम ने अद्योपान्त शरणागत की रक्षा करने के अपने धर्म का पालन करते हुए उसे क्षमा तो कर दिया, किंतु उसके इस दुष्ट कृत्य के दंड स्वरूप उसके शरीर के एक अंग को हमेशा के लिए खंडित कर दिया ताकि वह संसार को याद रहे।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि अहंकार में चूर होकर भगवान की परीक्षा लेने वाले बड़े-बड़े बलवान भी अंत में धूल में मिल जाते हैं और केवल शरणागत होकर ही क्षमा मिल सकती है।

बाल दिवसः बचपन की मुस्कान में बसता है ब्रह्मांड, बालमन की उड़ान में छिपा है भारत का भविष्य

डॉ. दीपक गोस्वामी

बच्चे के हाथ में मिट्टी का एक टुकड़ा दीजिए, वह उससे संसार बना देगा। एक प्रश्न पूछिए, वह सौ नए प्रश्न खड़े कर देगा। एक सपना दिखाइए, वह उसकी सीमा आकाश से भी आगे पहुँचा देगा। यही बचपन है– जहाँ कल्पना पर पहरा नहीं, जिज्ञासा पर ताला नहीं और संभावनाओं की कोई अंतिम सीमा नहीं। बाल दिवस वास्तव में बच्चों का उत्सव भर नहीं, हमारी सभ्यता के चरित्र, संवेदना और भविष्य की परीक्षा का दिन है।

बालक को समझना हो तो उसकी ऊँचाई नहीं, उसकी दृष्टि देखिए। वह अमीरी-गरीबी की दीवार नहीं जानता, जाति-वर्ग का भेद नहीं समझता और मनुष्य को मनुष्य से अलग करने वाली कृत्रिम सीमाओं में विश्वास नहीं करता। उसके लिए संसार प्रश्नों, रंगों, संबंधों और अनुभवों का खुला विद्यालय है। धीरे-धीरे परिवार, समाज और व्यवस्था उसके मन पर अपनी छाप छोड़ते हैं। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हम बच्चों को क्या बना रहे हैं, असली प्रश्न है कि हम उनके भीतर क्या बचा पा रहे हैं?

भारतीय दर्शन में बालभाव को निश्छलता, सरलता और जिज्ञासा के रूप में देखा गया है। पुराणों के ध्रुव में दृढ़ संकल्प दिखाई देता है, प्रह्लाद में प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच सत्य के प्रति निष्ठा और नचिकेता में ज्ञान पाने का अद्भुत साहस। कठोपनिषद का नचिकेता मृत्यु के रहस्य पर प्रश्न करता है। वह हमें बताता है कि आयु छोटी हो सकती है, लेकिन विचार की ऊँचाई छोटी नहीं होती। बाल गणेश विवेक और बुद्धिमत्ता के प्रतीक हैं, जबकि बाल कृष्ण की लीलाएँ जीवन की सहजता, आनंद और सृजनशीलता का परिचय देती हैं। इन कथाओं का सार है कि बालमन को भयभीत नहीं, विकसित करना चाहिए।

वैदिक ज्ञान परंपरा में शिक्षा का लक्ष्य केवल अक्षरज्ञान नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि, चरित्र और व्यवहार का संतुलित विकास था। गुरुकुल जीवन में अध्ययन के साथ श्रम, प्रकृति, अनुशासन, सेवा और आत्मसंयम को महत्व दिया जाता था। आज आवश्यकता है कि शिक्षा में आधुनिक विज्ञान और भारतीय जीवनमूल्यों का ऐसा समन्वय हो जिसमें बच्चा गणित भी सीखे, करुणा भी; तकनीक भी समझे, प्रकृति का सम्मान भी करे; प्रतियोगिता में भाग भी ले और सहयोग का महत्व भी पहचाने। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाने वाला व्यक्ति नहीं, उत्तरदायी नागरिक तैयार करना होना चाहिए।

बचपन की संवेदनाओं को साहित्य ने सदियों से स्वर दिया है। सूरदास के बाल कृष्ण में वात्सल्य का महासागर है। प्रेमचंद का हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदकर त्याग और प्रेम की परिभाषा बदल देता है। रवींद्रनाथ ठाकुर ने बालमन की स्वतंत्र कल्पना को महत्व दिया। इन रचनाओं का संदेश है कि बच्चे की छोटी-सी दुनिया में भी मानवीय मूल्यों का विराट संसार छिपा रहता है।

आधुनिक विज्ञान भी बचपन की महत्ता को प्रमाणित करता है। जीवन के शुरूआती वर्षों में मस्तिष्क का विकास तीव्र गति से होता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का बाल विकास केंद्र बताता है कि शुरूआती अवस्था में मस्तिष्क में प्रति सेकंड दस लाख से अधिक तंत्रिका संबंध बन सकते हैं। प्रेमपूर्ण संवाद, कहानी सुनना, खेलना, पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन और सुरक्षित वातावरण इस विकास को सहारा देते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि बाद के वर्षों में सीखने की क्षमता समाप्त हो जाती है, बल्कि यह कि शुरूआती अनुभव जीवनभर के विकास की महत्वपूर्ण नींव रखते हैं।

मनोविज्ञान की दृष्टि से बच्चे को सबसे पहले भावनात्मक सुरक्षा चाहिए। उसे यह विश्वास होना चाहिए कि असफल होने पर भी उसका परिवार उसके साथ खड़ा रहेगा। उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करने के बजाय उसकी अपनी प्रगति को पहचानना चाहिए। हर प्रश्न का उत्तर डाँट से देना, हर गलती पर अपमानित करना और हर उपलब्धि को अंकों से मापना उसके आत्मविश्वास को चोट पहुँचा सकता है। बच्चों को सीमाएँ अवश्य सिखाइए, लेकिन उनके विचारों को कैद मत कीजिए। अनुशासन का श्रेष्ठ रूप वह है जिसमें बच्चा सही व्यवहार का कारण समझे, केवल दंड के भय से उसका पालन न करे।

भारत की बाल जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी मानवीय पूँजी है। संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या अनुमानों के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में अठारह वर्ष से कम आयु के लगभग 43.66 करोड़ बच्चे अनुमानित है। यह संख्या जितनी बड़ी संभावना है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पाँचवें चरण में पाँच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चों में उम्र के अनुपात में कम लंबाई और 32.1 प्रतिशत में उम्र के अनुपात में कम वजन दर्ज किया गया। शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई प्लस 2023-24 में कक्षा एक से दस तक विद्यार्थियों की प्रतिधारण दर लगभग 63.8 प्रतिशत दर्ज हुई। ये आँकड़े बताते हैं कि प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि पोषण, सुरक्षा और समान अवसरों की चुनौती गंभीर है।

भारत में चौदह नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर बाल दिवस मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके स्नेह के कारण यह तारीख विशेष पहचान रखती है। वहीं बीस नवंबर को विश्व बाल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1959 में बाल अधिकार घोषणा और 1989 में बाल अधिकार अभिसमय इसी तारीख को स्वीकार किया था। भारत का बाल दिवस स्नेह और स्मरण का अवसर है, जबकि विश्व बाल दिवस अधिकारों और वैश्विक जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

हमारा संविधान भी बच्चों के अधिकारों को मान्यता देता है। अनुच्छेद 21-क छह से चौदह वर्ष के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है। अनुच्छेद 24 चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखानों, खानों और अन्य जोखिमपूर्ण रोजगारों में नियोजित करने पर रोक लगाता है। अनुच्छेद 39 बच्चों के स्वास्थ्य, विकास और शोषण से सुरक्षा के लिए राज्य को नीतिगत दिशा देता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो अधिनियम 2012 और बाल एवं किशोर श्रम निषेध कानून बच्चों की सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। किंतु कानून की सफलता उसके कागज पर होने से नहीं, धरातल पर लागू होने से तय होती है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 15 नवंबर 2026 रविवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या वृश्चिक और धनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन सृष्टि के संचालक भगवान सूर्य नारायण और ऊर्जा के प्रतीक देवता भगवान भास्कर की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन प्रातः काल सूर्योदय के समय तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करने तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और अटूट तेज तथा मान-सम्मान की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। सूर्य देव को अर्घ्य दें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में गुड़ का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय



से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में लाल वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को गेंहू दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में तांबे की वस्तु अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। सूर्य मंत्र का जाप करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। रविवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। सूर्य चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। सूर्य देव के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर की पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां उगते हुए सूर्य की तस्वीर या तांबे का सूर्ययंत्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर लाल पुष्प सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान सूर्य की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा, आरोग्य और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

हला चरण पूरा, अब 40 सवालों के साथ घर-घर पहुंचेगी जनगणना टीम!

मथुरा में 16 नवंबर से शुरू होगी स्वगणना, 6,524 कर्मी संभालेंगे जनसंख्या गणना की कमान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनगणना-2027 को लेकर मथुरा जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य पूरा हो चुका है। अब दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। इसके लिए 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्वगणना की सुविधा दी जाएगी, जबकि 1 दिसंबर से प्रगणक घर-घर जाकर परिवारों का विवरण जुटाएंगे। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित प्रेसवार्ता में जनगणना की तैयारियों, कार्यक्रम और प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में 7 मई से 21 मई तक स्वगणना और 22 मई से 20 जून तक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य कराया गया। इस दौरान जिले में 6,078 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक तैनात रहे। जनपद की अनुमानित आबादी करीब 31 लाख आंकी गई



है। दूसरे चरण में 16 से 30 नवंबर तक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे। ऑनलाइन विवरण दर्ज करने पर मिलने वाली एसई आईडी को सुरक्षित रखना होगा। प्रगणक के घर पहुंचने पर सत्यापन के लिए यह आईडी उपलब्ध करानी होगी। जो लोग स्वगणना नहीं कर पाएंगे, उनका विवरण प्रगणक स्वयं दर्ज करेंगे।

जनगणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से कुल 40 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें नाम, उम्र, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, धर्म, जाति, भाषा, शिक्षा, रोजगार, पलायन, दिव्यांगता, प्रजनन संबंधी जानकारी और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच जैसे विषय शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, इस बार जनगणना की प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होगी। आंकड़े मोबाइल ऐप के जरिए जुटाए जाएंगे और स्वगणना के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी उपलब्ध रहेगा।जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना के आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, सरकारी संसाधनों के आवंटन और जनकल्याणकारी नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जनगणना अधिनियम-1948 के तहत नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। प्रशासन ने लोगों से सही जानकारी देने की अपील करते

- 40 सवालों में दर्ज होगा परिवार का पूरा ब्योरा, शिक्षा से लेकर रोजगार तक की जानकारी
- 16 नवंबर से ऑनलाइन स्वगणना, 1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक
- बैंक पासवर्ड, ओटीपी और यूपीआई पिन न बताएं, प्रशासन ने साइबर सतर्कता की दी सलाह

हुए स्पष्ट किया कि प्रगणकों को बैंक पासवर्ड, एटीएम पिन, यूपीआई पिन या ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी देने की आवश्यकता नहीं है।

जनपद में जनगणना कार्य के लिए कुल 24 चार्ज बनाए गए हैं। इनके अंतर्गत 6,054 ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार, दूसरे चरण के लिए 5,605 प्रगणक और 919 पर्यवेक्षक सहित कुल 6,524 कर्मियों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा चार मास्टर ट्रेनर और 98 फील्ड ट्रेनर तैनात रहेंगे। बेघर आबादी की गणना 4 जनवरी 2027 की रात को होगी। जनगणना का संदर्भ समय 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित किया गया है। इसके बाद 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण दौर चलेगा।

प्रशासन ने जनगणना को सफल बनाने के लिए आमजन और मीडिया से सहयोग की अपील की है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1855, व्हाट्सएप चैटबॉट 18001801855 और मथुरा कलेक्ट्रेट जनगणना सेल के हेल्पलाइन नंबर 0565-2970113 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रेसवार्ता में नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे सहित जनगणना से जुड़े अधिकारी और पत्रकार उपस्थित रहे।

जीएसटी टीम का खौफ! अधिकारी को देखते ही पिकअप लेकर भागा चालक, पीछा कर दबोचा

अधिकारी ने बिल और जीएसटी दस्तावेजों की जांच शुरू की



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वार्ड नंबर 11 के भरतपुर रोड पर जीएसटी अधिकारी ऋचा ने पेप्सी और नमकीन से भरी एक पिकअप गाड़ी को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, पिकअप चालक मंडी चौराहे से पेप्सी और नमकीन का सामान लेकर अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान भरतपुर रोड पर जीएसटी अधिकारी को देखकर चालक ने गाड़ी भगाने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि जीएसटी अधिकारी ने पीछा करते हुए धनगांव रोड पर पिकअप गाड़ी को पकड़ लिया। इसके बाद गाड़ी में रखे सामान और उससे संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी गई।मौके पर मौजूद पत्रकारों ने जीएसटी अधिकारी से पूछा जांच करते का वीडियो बनाया रिचा

- मंडी चौराहे से सामान लेकर गांव जा रहा था पिकअप चालक
- अधिकारी को देखकर गाड़ी भगाने की कोशिश, पीछा कर पकड़ा
- जांच के दौरान पत्रकारों के बनाए वीडियो डिलीट कराने का भी आरोप

ऑफिसर अपने ड्राइवर वीडियो डिलीट करा दिया आखिर गाड़ी को किस कारण पकड़ा गया है और चालक से क्या पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल पिकअप में रखे पेप्सी और नमकीन के सामान के बिल एवं जीएसटी दस्तावेजों की जांच का मामला सामने आया है।

सरपंच चुनाव की रंजिश में वरीपुरा गांव में खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला

घर पर हमले का वीडियो वायरल, पीड़ित पक्ष ने पुलिस को सौंपी शिकायत

- बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

बाड़ी। बाड़ी उपखंड के बसई डांग थाना क्षेत्र के वरीपुरा गांव में सरपंच चुनाव को लेकर चली आ रही रंजिश में दो पक्षों के बीच झगड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हो गए। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाले हरेंद्र सिंह पुत्र जरदान सिंह गुर्जर के अनुसार ग्राम पंचायत बसई डांग में हुए सरपंच चुनाव में उन्होंने गांव के एक प्रत्याशी को वोट दिया था, लेकिन आरोपी पक्ष को शक था कि उन्होंने उस प्रत्याशी को वोट नहीं दिया। इसी बात को लेकर रंजिश चल रही थी। आरोप है कि



10 नवंबर को शाम करीब 4:30 बजे ठाकुर दास पुत्र कप्तान सिंह, हंसराम पुत्र हाकिम सहित 8-10 अन्य लोग लाठी-डंडों और पत्थरों से लैस होकर उनके घर पहुंचे और हमला कर दिया।हमले में शारदा पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र सिंह, राजेश बाई पत्नी मुकेश सिंह और संतोष पुत्र जरदान सिंह घायल हो गए। हरेंद्र सिंह को भी चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष ने घटना का वीडियो भी पुलिस को सौंपा है। हरेंद्र सिंह का आरोप है कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी आरोपियों ने पत्थरबाजी की। पीड़ित ने पुलिस पर अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

वहीं, बसई डांग थाने के एएसआई अजीत सिंह ने बताया कि एक पक्ष की शिकायत पर बीएनएस की धारा 189, 115 और 126 के तहत मामला दर्ज किया गया है। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छठ पूजा पर 16 नवंबर का अवकाश घोषित करने की यूटा ने उठाई मांग

आगरा। जनपद आगरा के परिषदीय विद्यालयों में छठ पूजा के अवसर पर 16 नवंबर 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग उठाई गई है।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) आगरा के जिलाध्यक्ष के.के. शर्मा एवं जिला महामंत्री राजीव वर्मा ने कहा कि सचिव, बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज (इलाहाबाद) द्वारा जारी अवकाश तालिका में 15 नवंबर को छठ पूजा का अवकाश अंकित है, जबकि छठ पूजा के अवसर पर प्रदेश के कई जनपदों में 16 नवंबर का अवकाश घोषित किया जा चुका है।

यूटा पदाधिकारियों ने जनपद आगरा के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए 16 नवंबर 2026 को अवकाश घोषित करने की मांग की है।

उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि अन्य जनपदों की भांति आगरा में भी छठ पूजा का अवकाश घोषित कर शिक्षकों को राहत प्रदान की जाए।

आयकर विभाग का बड़ा एक्शन! शंकर सेठ की 'गुरुकृपा' होटल चेन समेत कई ठिकानों पर छापेमारी

सुबह 5 बजे करीब चार दर्जन गाड़ियों से पहुंचीं टीमें

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आज शुक्रवार सुबह आयकर विभाग की टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर छापा की कार्रवाई शुरू की। आयकर विभाग ने मथुरा, वृंदावन और आगरा में एक साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई प्रतिष्ठानों और कारोबारियों के ठिकानों पर छापा शुरू किया।

मथुरा-वृंदावन में गाजियाबाद से पहुंची विभाग की टीमों ने होटल रेडिसन और शंकर सेठ की होटल चेन 'गुरुकृपा' सहित कई स्थानों पर दोपहर तक कार्रवाई जारी रखी, जिससे शहर के व्यापारिक जगत में खलबली मच गई।मथुरा और वृंदावन में रेडिसन होटल, धौलीप्याऊ स्थित शंकर सेठ के तीनों गुरुकृपा होटल सहित कई ठिकानों पर आयकर विभाग की टीमें जांच कर रही हैं। गाजियाबाद से आई आयकर विभाग की टीमों



की कार्रवाई से शहर के व्यापारियों में खलबली मची रही।

सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग की टीमों ने शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे से छापा की कार्यवाही शुरू की। कार्रवाई के लिए करीब चार दर्जन गाड़ियों से टीमें मथुरा पहुंचीं। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर एक साथ जांच शुरू की गई। शंकर सेठ से जुड़े ठिकानों पर भी टीमें दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल कर रही हैं।

- रेडिसन होटल से लेकर गुरुकृपा के तीनों होटल तक आयकर विभाग की जांच
- गाजियाबाद से पहुंची टीमों ने खंगाले दस्तावेज, वित्तीय लेनदेन की पड़ताल
- डालमिया बाग पेड़ कटान प्रकरण से जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी कार्रवाई की चर्चा

सूत्रों के मुताबिक डालमिया बाग पेड़ कटान प्रकरण से जुड़े कुछ लोगों के ठिकाने भी आयकर विभाग की कार्रवाई के दायरे में बताए जा रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में विभाग की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। छापा की कार्रवाई देर तक जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा शंकर सेठ ही जुड़े कुछ अन्य लोगों के यहां भी छापा की कार्रवाई की गई।

निर्भीक होकर करें मतदान, भय और प्रलोभन से रहें दूर

लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट जरूरी-एसपी विकास सांगवान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।

पंचायती राज चुनाव-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए धौलपुर पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मतदाताओं से बिना किसी भय, दबाव, प्रलोभन अथवा बहकावे में आए निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है।

एसपी सांगवान ने बताया कि 14 एवं 16 नवंबर को राजाखेड़ा, सरमथुरा और बसेड़ी पंचायत समितियों में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान होना है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ तैनात है।उन्होंने चुनाव में भाग ले रहे सभी अभ्यर्थियों से आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन नियमों की पालना करने और चुनाव की मयार्दा बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही आमजन से अफवाहों पर ध्यान



नहीं देने, भ्रामक सूचनाएं प्रसारित नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध या अवांछित गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की।

एसपी ने कहा कि प्रत्येक मत लोकतंत्र की ताकत है। मतदाता निर्भीक होकर मतदान करें तथा क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

मतदान से पहले सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान

गांव-गांव पहुंचकर मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।

राजस्थान। पंचायतीराज चुनाव-2026 के तहत जिले की राजाखेड़ा, सरमथुरा एवं बसेड़ी पंचायत समितियों में 14 नवंबर को होने वाले जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए धौलपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। मतदान के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रत्येक मतदाता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान स्वयं सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने आज जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर बोरोली, रतनपुर, रैवियापुरा, जारगा, अतरसूमा, खिडौरा, तुसीपुरा, पिपरौन, भारली, बागथर, झील, द्वौपुरा एवं ममोधन सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिस बल की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों, मतदाताओं के आवागमन के मार्ग तथा मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मौके



- संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी, पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को निष्पक्षता, सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश

पर मौजूद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को निर्देशित किया कि निर्वाचन ड्यूटी के दौरान पूर्ण निष्पक्षता एवं अनुशासन बनाए रखें। किसी भी प्रकार के दबाव, प्रभाव अथवा पक्षपात से दूर रहते हुए सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने, मतदाताओं को डराने-धमकाने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़, थानाधिकारी बसेड़ी बालकृष्ण सहित पुलिस अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वहीं मोबाइल पुलिस पार्टियों को निरंतर क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर संदिग्ध गतिविधियों एवं कानून व्यवस्था पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर तत्काल नियंत्रण किया जा सके।

धौलपुर पुलिस द्वारा मतदान के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने, मतदाताओं को प्रभावित करने अथवा निर्वाचन प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रत्येक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया गया है। धौलपुर पुलिस की आमजन से अपील की है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। किसी के दबाव, भय अथवा प्रलोभन में न आएं तथा मतदान के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को दें। धौलपुर पुलिस का संकल्प है कि प्रत्येक मतदाता सुरक्षित माहौल में अपने मताधिकार का प्रयोग करे तथा पंचायतीराज चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो।

भारत सेवा संघ ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव बने राजेश, राष्ट्रीय अध्यक्ष निशांत शर्मा ने सौंपा मनोनयन पत्र

आगरा/कासगंज। भारत सेवा संघ ट्रस्ट के संगठनात्मक विस्तार एवं सामाजिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सचिव के पद पर श्री राजेश जी को मनोनीत किया गया है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निशांत शर्मा ने प्रधान कार्यालय ग्राम व पोस्ट सुनगढ़ी, ब्लॉक गंजडुंडवारा, जिला कासगंज (उत्तर प्रदेश) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री राजेश जी को मनोनयन पत्र एवं पहचान पत्र (आईडी कार्ड) सौंपा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष निशांत शर्मा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों की सहायता करना, सामाजिक जागरूकता बढ़ाना तथा जनकल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री राजेश अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

वहीं, नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव श्री राजेश जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समस्त संगठन परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों के अनुरूप समाजसेवा एवं जनहित के कार्यों में पूरी निष्ठा से योगदान देंगे।

इस मनोनयन से संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

हेनरी के पंजे में फंसा भारत! 89 रन पर ढेर; न्यूजीलैंड ने 244 रन से रौंदा

एजेंसी, माउंट मोंगानुई।

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत किसी बुरे सपने जैसी रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में भारत के तीन बड़े बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर खाता भी नहीं खोल सके। 16 साल बाद वनडे में ऐसा मौका आया है, जब रोहित शर्मा और विराट कोहली एक ही मैच में शून्य पर आउट हुए हैं।

हेनरी ने ट्रिपल विकेट मेडन डालकर भारतीय शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। हेनरी ने पहली गेंद पर रोहित को फिन एलन के हाथों कैच कराया। पांचवीं गेंद पर विराट कोहली को बोल्ड किया और ओवर की आखिरी गेंद पर श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। भारत ने चौथा वनडे 244 रन से गंवा दिया।



वनडे पारी की पहली गेंद पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज

वनडे पारी की पहली ही गेंद पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में अब रोहित शर्मा का नाम भी जुड़ गया है। भारत की ओर से सौरव गांगुली और वीरेंद्र सहवाग सबसे ज्यादा तीन-तीन बार पारी की पहली गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं, सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, कृष्णमाचारी श्रीकांत और मनोज प्रभाकर के साथ रोहित शर्मा भी एक-एक बार ऐसा झेल चुके हैं।

वनडे इतिहास में पांचवीं बार बिना रन के गिरे शुरूआती तीन विकेट

भारत ने इस मुकाबले में एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वनडे क्रिकेट में यह पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरूआती तीन विकेट गंवा दिए। इससे पहले चार बार ऐसा हो चुका था। भारत से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया की टीमें इस स्थिति का सामना कर चुकी हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए भी यह मुकाबला निराशाजनक रहा। यह दूसरी बार है, जब दोनों खिलाड़ी एक ही वनडे मैच में खाता नहीं खोल सके। इससे पहले 16 साल पहले ऐसा हुआ था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ दांबुला में इससे पहले दोनों एक साथ खाता खोले बिना आउट हुए थे। उस मुकाबले की एक और दिलचस्प बात यह थी कि वीरेंद्र सहवाग 99 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और सूरज रणदीव की नो-बॉल पर छक्का लगाने के बावजूद उन्हें शतक पूरा करने का मौका नहीं मिला था।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का चौथा सबसे बड़ा स्कोर

इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 333 रन बनाए। यह वनडे में भारत के खिलाफ उसका चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 50 ओवर से पहले ही अपने सभी विकेट गंवा दिए। भारत के खिलाफ उसका सर्वोच्च स्कोर 349/9 है, जो 1999 में राजकोट में बना था।

न्यूजीलैंड की ओर से 300 से अधिक का स्कोर बनाने के मामले में भी भारत के खिलाफ माउंट माउंगानुई की यह पारी खास है। वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अब तक पांच बार 300 से अधिक का स्कोर बनाया है। इनमें 2023 में हैदराबाद में बना 337 रन का स्कोर भी शामिल है।

टीम इंडिया 89 रन पर ढेर

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। माउंट माउंगानुई में खेले गए चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रन से हराया। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी वनडे हार का रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार 200 रन से मिली थी। यह मुकाबला 10 अगस्त 2010 को दांबुला में खेला गया था।

हालांकि, रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी वनडे हार का रिकॉर्ड अब भी 245 रन का है। भारतीय टीम 244 रन से हारी, इसलिए वह इस अनचाहे रिकॉर्ड से सिर्फ एक रन के अंतर से बच गई। यह हार भारत की वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में कीवियों ने वापसी की है। भारत अभी भी 2-1 से आगे है। टीम इंडिया ने शुरूआती दो मैच जीते थे। तीसरा मैच बारिश से धुल गया था। सीरीज का आखिरी मुकाबला 15 नवंबर को खेला जाएगा।

'कोई भी गेंद ऐसी नहीं होती जिसे खेला न जा सके,'

न्यूजीलैंड के खिलाफ बे ओवल में सीरीज का चौथा मैच 244 रनों के अंतर से गंवाने के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसी कोई गेंद नहीं होती, जिसे खेला न जा सके। गंभीर ने बल्लेबाजों को सलाह दी कि वे विरोधी गेंदबाजों के आगे घुटने टेकने के बजाय, मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने के तरीके खोजें। माउंट मौनगानुई में 334 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 26.4 ओवरों में सिर्फ 89 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर 6 विकेट झटके। यह वनडे फॉर्मेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार रही, जिसके साथ पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत की बढ़त अब 2-1 रह गई है। सीरीज का निर्णायक मुकाबला रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। करारी हार के बाद गंभीर ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को मैट हेनरी की सटीक गेंदबाजी का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पिच पर गेंद में इतना मूवमेंट नहीं था कि भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह से ढह जाए।

ऑस्ट्रेलिया के 21 साल के गेंदबाज ने मचाया कहर: डेब्यू वनडे में 6 विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड



एजेंसी, सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का आगाज शुक्रवार को पर्थ में हुआ। पहले मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में घरेलू मैदान पर अपना पहला मैच खेल रहे बियर्डमैन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट झटके और वनडे डेब्यू पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने नाम कर लिया। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की पूरी टीम 34 ओवर से पहले ही 131 रन पर सिमट गई।

बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर का पहला विकेट आठवीं गेंद पर हासिल किया और फिर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को संभलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक, जो रूट, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, लियाम डॉसन और जोफ्रा आर्चर को पवेलियन भेजा। खास बात यह रही कि उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को उनके 200वें वनडे मुकाबले में आउट किया।

बियर्डमैन ने 24 रन देकर झटके छह विकेट

पर्थ में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मेजबान टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने अपने युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को प्लेइंग इलेवन में मौका दिया। बियर्डमैन के लिए यह घरेलू मैदान पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। उन्होंने इस मौके को यादगार बना दिया। बियर्डमैन ने आठवीं गेंद पर अपना पहला वनडे विकेट हासिल किया। उन्होंने 12वें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को एक रन के निजी स्कोर पर आउट किया। इसके बाद 14वें ओवर में जो रूट को 17 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। रूट अपना 200वां वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे थे, लेकिन वह इस खास मैच को बड़ी पारी में नहीं बदल सके।

बियर्डमैन यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने चौथे ओवर की शुरूआत जॉर्डन कॉक्स का विकेट लेकर की और इसी ओवर की आखिरी गेंद पर सैम करन को भी आउट कर दिया। कॉक्स दो रन बना सके, जबकि करन खाता भी नहीं खोल पाए। इन विकेटों के बाद इंग्लैंड का स्कोर 16 ओवर के अंत तक छह विकेट पर 58 रन हो गया।

इसके बाद बियर्डमैन ने अपने अगले ओवर में लियाम डॉसन को भी पवेलियन भेज दिया। डॉसन भी खाता नहीं खोल सके। इस विकेट के साथ बियर्डमैन ने अपने वनडे डेब्यू पर पांच विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने 1988 के बाद वनडे डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। वह वनडे डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने। उनसे पहले टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ 21 रन देकर पांच विकेट लिए थे। इंग्लैंड का स्कोर एक समय दो विकेट पर 38 रन था, जो देखते ही देखते सात विकेट पर 60 रन हो गया।

जोफ्रा आर्चर को आउट कर पूरा किया छह विकेट का आंकड़ा

बियर्डमैन ने अपनी शानदार गेंदबाजी का अंत इंग्लैंड के आखिरी बल्लेबाजों में शामिल जोफ्रा आर्चर को आउट करके किया। आर्चर 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस विकेट के साथ बियर्डमैन ने अपने खाते में छठा विकेट जोड़ा। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए। यह वनडे डेब्यू पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

इंग्लैंड की पारी में शुरूआती आठ बल्लेबाज मिलकर सिर्फ 65 रन जोड़ सके। हालांकि, आखिरी दो साझेदारियों ने टीम को कुछ हद तक संभालने की कोशिश की। विल जैक्स ने 47 गेंदों में 25 रन बनाए। उन्होंने नौवें विकेट के लिए गस एटकिंसन के साथ उपयोगी साझेदारी की और टीम को 100 रन के पार पहुंचाया, लेकिन ड्रिंक्स ब्रेक के बाद स्पेंसर जॉनसन ने वापसी करते हुए जैक्स को पारी की पहली ही गेंद पर आउट कर दिया। इसके बाद इंग्लैंड का स्कोर नौ विकेट पर 102 रन हो गया। इंग्लैंड की ओर से शुरूआती झटकों के बाद निचले क्रम ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम 34 ओवर से पहले ही 131 रन पर ऑलआउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से बियर्डमैन के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। जॉनसन ने पांचवें ओवर में अतिरिक्त उछाल हासिल करते हुए बेन डकेट को बैकवर्ड पॉइंट पर कैच कराया।

मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी: दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बताया कि उन्हें 16 साल की उम्र में पता चल गया था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती थीं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस समय बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने 'ट्रिपल एक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज' के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, तो दीपिका 'द एलेन डीजेनेरेस शो' में भी नजर आईं। एलेन से बात करते हुए 'बाजीराव मस्तानी' फिल्म की अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में खुलकर बात की।

दीपिका ने बताया कि उन्होंने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब कोई भी प्रोफेशनल तौर पर बैडमिंटन नहीं खेलता था। उस समय हर कोई डॉक्टर या वकील बनना चाहता था, लेकिन वे एक खिलाड़ी थे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि मैं ऐसा करके उन्हें खुश कर सकती थी, लेकिन वे हमेशा यही कहते थे कि अपने दिल की सुनो।

अभिनय के प्रति अपना प्यार जताते हुए दीपिका ने बताया कि 16 साल की उम्र में ही उन्हें पता चल गया था कि वह एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें बेहद खुशी देता है।

दीपिका ने एलेन को यह भी बताया कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय अभिनेत्री ने अपनी मां को भरोसा दिलाया कि वह उनके पैसे लौटा देंगी और उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी।

दीपिका ने बताया कि एक दिन मैंने अपनी मां को बिठाया और कहा कि क्या मैं आपसे 10,000 रुपए उधार ले सकती हूं? मुझे पोर्टफोलियो शूट करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मैंने उनसे कहा कि एक दिन मैं उन्हें गौरवान्वित करूंगी और कभी न कभी उनके पैसे भी लौटा दूंगी।



साल 2007 में शाहरुख खान के साथ 'ओम शांति ओम' से अपने करियर की शुरूआत करने के बाद, दीपिका कई प्रमुख फिल्मों का हिस्सा बनीं, जिनमें 'ये जवानी है दीवानी (2013)', 'चेन्नई एक्सप्रेस (2013)', 'गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013)', 'पीकू (2015)', 'बाजीराव मस्तानी (2015)', 'पद्मावत (2018)', 'छपाक (2020)', 'पठान (2023)', 'जवान (2023)' और 'कल्कि 2898 एडी (2024)' शामिल हैं।

दीपिका बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।

प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं।

एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो को लेकर क्या बोलीं शिल्पा?

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बेंचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां



माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'

यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

ध्वनि भानुशाली: यश के साथ हुई सिंगर की सगाई

सिंगर ध्वनि भानुशाली ने यश भानुशाली के साथ अपनी सगाई की घोषणा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सगाई समारोह की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वे दोनों और ध्वनि की सगाई की अंगूठी दिखाई दे रही है।

ध्वनि भानुशाली की पोस्ट में क्या है?

सिंगर ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने यश को गले लगाया है। दूसरी तस्वीर में यश उनके गाल पर किस कर रहे हैं और ध्वनि के हाथ में एक गिलास है। तीसरी तस्वीर में ध्वनि अपनी सगाई की अंगूठी दिखा रही हैं, और दोनों सूर्यास्त के समय पोज दे रहे हैं। चौथी तस्वीर में दोनों साथ में रिंग दिखा रहे हैं। इस मौके पर ध्वनि ने भूरे रंग का टैंक टॉप, लेदर स्कर्ट और उससे मिलते-जुलते जूते पहने थे। वहीं, यश ने सफेद शर्ट, रंग-बिरंगी जैकेट, डेनिम जींस और मैचिंग जूते पहने थे।

शानदार है पोस्ट का कैप्शन

तस्वीरें शेयर करते हुए ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे जिंदगी भर के लिए अपना 'कपकेक' मिल गया है। मैंने हां कह दिया!' पोस्ट में दोनों को अपनी सगाई का जश्न मनाते और प्यार भरे पल बिताते हुए देखा जा सकता है।

इन गानों के लिए मशहूर हैं सिंगर



यह घोषणा ध्वनि के लिए एक अहम पड़ाव है, जिन्होंने 2018 में अपने संगीत सफर की शुरूआत की थी। वे 'वास्ते', 'ले जा रे' और 'दिलबर' जैसे गानों के साथ-साथ फिल्म 'लुका छुपी' के गाने 'दुनिया' और 'नयन' के लिए जानी जाती हैं। 'वास्ते' गाने को लाखों व्यूज मिलने और 'दिलबर' के चार्ट्स में टॉप पर रहने के बाद ध्वनि काफी मशहूर हो गईं। उन्हें सबसे कम उम्र की ऐसी भारतीय पॉप स्टार माना जाने लगा, जिसने इतनी बड़ी सफलता हासिल की है।

सिंगिंग को लेकर क्या बोलीं सिंगर

एक पुराने इंटरव्यू में ध्वनि ने प्लेबैक सिंगिंग और पॉप संगीत के प्रति अपने झुकाव के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि प्लेबैक सिंगिंग बहुत बढ़िया है। यह देखना काफी रोमांचक होता है कि आपकी आवाज किस चेहरे पर फिट बैठती है। मेरा झुकाव पॉप संगीत की तरफ ज्यादा है, क्योंकि मुझे लगता है कि कोई भी आपकी कहानी आपसे बेहतर तरीके से नहीं बता सकता।' इंस्टाग्राम पर ध्वनि भानुशाली के 7.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

आश्रम: पूरी हुई सीजन 4 की शूटिंग, बॉबी देओल के साथ प्रकाश झा ने मनाया जश्न

मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सीजन 4 की शूटिंग पूरी हो गई है। अभिनेता बॉबी देओल और फिल्म निमार्ता प्रकाश झा ने शूटिंग पूरी होने का केक काटकर जश्न मनाया है। इस मौके पर इस सीजन की पूरी कास्ट मौजूद थी। केक पर 'जपनाम, इट्स अ रैप - आश्रम सीजन 4' लिखा था।

कब शुरू हुई थी 'आश्रम' की शूटिंग?

'आश्रम' के इस नए सीजन की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू हुई थी। शूटिंग पूरी होने की अपडेट को फैंस के साथ साझा करते हुए 'प्रकाश झा प्रोडक्शंस' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'आश्रम 4' लिखा था। यह क्लैपरबोर्ड पूजा-पाठ वाली जगह पर रखा गया था। फोटो के साथ यह कैप्शन भी था, 'एक और आरंभ... आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। आश्रम 4 की शूटिंग शुरू हो गई है!'

क्या है 'आश्रम 4' की कास्ट?

शो के पिछले तीन सीजन में 'बाबा निराला' का किरदार निभाने के लिए बॉबी देओल को खूब तारीफ मिली है। बॉबी के अपने किरदार में वापसी करने के साथ-साथ, 'आश्रम 4' में अदिति पोहनकर और चंदन रॉय सान्याल भी नजर आएंगे। इनके अलावा दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, ईशा गुप्ता, अध्ययन सुमन और त्रिधा चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

क्या है फिल्म की कहानी?

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी 'आश्रम' की कहानी बाबा निराला के इर्द गिर्द घूमती है। वह खुद को भगवान का दूत बताने वाला एक ऐसा ढोंगी बाबा है, जो राजनीति, अपराध और लोगों के अंधविश्वास का फायदा उठाकर काले रहस्यों से भरा अपना एक साम्राज्य खड़ा कर लेता है।

कब रिलीज हुआ 'आश्रम' का पहला सीजन?

इस ड्रामा का पहला सीजन 28 अगस्त 2020 को ट प्लेयर पर रिलीज हुआ था।

इसके बाद, 11 नवंबर 2020 को दूसरा सीजन आया।

'आश्रम' का तीसरा और अब तक का आखिरी सीजन जून 2022 में रिलीज किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चौथा सीजन 2026 के आखिर में या 2027 की शुरूआत में रिलीज हो सकता है।

इसके अलावा, बॉबी के आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'तीसवीं मंजिल', 'देसी शर्लक होम्स', 'द हंटर्सैंट' और अली अब्बास जफर के साथ एक बिना नाम वाली फिल्म भी शामिल है।

